■ कार्तिक कृष्ण - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 76 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 09-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नीतीश कुमार ही राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरा : गिरिराज

6 मानसिक स्वास्थ्य है रोगमुक्त जीवन की मुस्कान

7 क्या 'चांदनी बार' रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू?

फर्स्ट टेक

कानपुर में दो स्कूटर में धमाके, छह से अधिक घायल

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर में बुधवार शाम 'मरकज़' मस्जिद के पास मिश्री बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां खड़े दो स्कूटर में कुछ ही सेकंड के अंतराल में विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक महिला समेत छह से अधिक लोग घायल हो गए और आस-पास की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त (कानपुर) रघुबीर लाल ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां से दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। आयुक्त लाल ने कहा कि आतंकवाद और पटाखा विस्फोट सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। आयुक्त ने कहा, ''चूंकि दिवाली नज़दीक आ रही है इसलिए हो सकता है कि ये पटाखों से जुड़ा विस्फोट हो, हालांकि हम किसी भी पहलू से इनकार नहीं कर रहे हैं।''

इजरायली नौसेना ने फ़्लोटिला मिशन को किया विफल, 150 लोग हिरासत में

तेल अवीव/भाषा। इज़रायली नौसेना ने बुधवार तड़के एक नये फ़्लोटिला मिशन को विफल करते हुये इसमें शामिल लगभग 150 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। टाइम्स ऑफ़ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार हिरासत में लिये गये लोग फ़िलिस्तीनियों के लिए प्रतीकात्मक समर्थन के तौर पर में हमास शासित गाजा पट्टी पर समुद्री मार्ग से घुसने की कोशिश कर रहे थे। हिरासत में लिये गये लोगों को पूछताछ और निर्वासन के लिए इज़रायली तटों पर ले जाया गया। इजरायली नौसेना ने इससे एक हफ्ते पहले 42-जहाजों वाले ग्लोबल सुमुद फ़्लोटिला को रोका था।

'लिव-इन रिलेशनशिप' से सावधान रहें लड़कियां: आनंदीबेन पटेल

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को युवतियों को लिव-इन रिलेशनशिप से दूर रहने और उन लोगों से सावधान रहने की सलाह दी जो उनका शोषण कर सकते हैं। उन्होंने वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 47वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह अपील की। राज्य के विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति राज्यपाल ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और छात्राओं से अपने निजी जीवन में समझदारी से निर्णय लेने का आग्रह किया। राजभवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, बेटियों को अपने निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए। वे लिव-इन-रिलेशनशिप जैसी परिस्थितियों से दूर रहें।

भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए 'तैयार रहें' वायु योद्धा : वायु सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिंडन (उप्र)/भाषा। वायुसेना प्रमुख ए.पी. सिंह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के ठिकानों पर भारतीय वायुसेना के ''साहसिक और सटीक'' हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई के उचित स्थान को बहाल किया।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि उनकी सेना ने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का उपयोग कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने हिंडन एयरबेस पर 93वें वायुसेना दिवस के अवसर पर वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना की। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आधिकारिक स्थापना आठ अक्टूबर 1932 को हुई थी।

वायु सेना प्रमुख ने वायु योद्धाओं से भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए ''तैयार रहने'' का आह्वान किया और इस बात पर बल दिया कि भारतीय वायुसेना की योजना ''नवोन्मेषी, व्यावहारिक और अनुकूलनीय'' होनी चाहिए तथा इसका प्रशिक्षण ''जैसे हम लड़ते हैं वैसे ही प्रशिक्षण लें'' के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे प्रदर्शन ने हमें पेशेवर स्तर पर गौरवान्वित किया। हमने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का इस्तेमाल कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वायरल का बुखार

हो रहा आज वायरल कुछ भी,
सच और झूठ को बिन जाने।
धूर्तों का बन गया सबल यंत्र,
कर रहे स्वार्थ हित को पाने।
कट पेस्ट और फारवर्ड करे,
सोशल मिडिया के दीवाने।
कितना घातक यह खेल बना,
हम सारे इससे अनजाने।

09-10-2025 सूर्यास्त 6:04 बजे | 10-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
81,773.66 (-153.09)	25,046.15 (-62.15)

सोना	चांदी
12,435 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	154,137 रु. प्रति किलो

कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया : मोदी

■ कांग्रेस को देश को बताना चाहिए कि 26/11 हमले के बाद जवाबी सैन्य कार्रवाई से किसने रोका था : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस से कहा कि उसे देश को बताना चाहिए कि पाकिस्तान से जुड़े 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत को जवाबी सैन्य कार्रवाई करने से किसने रोका था। साथ ही उन्होंने पार्टी पर सत्ता में रहते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने का आरोप लगाया।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार (2004-14) ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया, जिसके कारण देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। मोदी ने कहा, एक कांग्रेस नेता, जो केंद्रीय गृह मंत्री भी रह चुके हैं, ने कहा है कि एक देश ने 2008 में 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत

को जवाबी सैन्य कार्रवाई से रोका था। पार्टी को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण, मुंबई मेट्रो की एक्वा लाइन और अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मुंबई हमेशा से देश की वित्तीय राजधानी और एक जीवंत महानगर रहा है, जिससे इस पर आतंकवादी हमलों का खतरा रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, शहर की इसी विशेषता के कारण 2008 में आतंकवादियों ने इसे निशाना बनाया था। अगर कांग्रेस के एक शीर्ष नेता, जो केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं, की बात पर यकीन किया जाए, तो तत्कालीन संप्रग सरकार एक देश के दबाव में पाकिस्तान पर हमला करने से पीछे हट गई, जबकि हमारे रक्षा बल तैयार थे और देश की भावना (पड़ोसी देश पर) हमला करने की थी।

मोदी स्पष्ट रूप से पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम की उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि वह हमलों के बाद व्यक्तिगत रूप से पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई के पक्षधर थे, लेकिन संप्रग सरकार ने विदेश मंत्रालय के विचार के अनुसार इस्लामाबाद के खिलाफ कूटनीतिक कदम उठाने का फैसला किया।

चिदंबरम ने कहा था कि अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियां चाहती थीं कि भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू न करे।

कफ सिरप विवाद:

कंपनी का संयंत्र सील, मध्य प्रदेश एसआईटी ने शुरू की जांच

चेन्नई/कांचीपुरम/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत से कथित तौर पर जुड़े प्रतिबंधित कफ सिरप का उत्पादन करने वाली एक कंपनी के संयंत्र को सील कर दिया है और मध्य प्रदेश पुलिस का एक दल तमिलनाडु पहुंचकर मामले की जांच कर रहा है। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को चेन्नई में स्थित कंपनी को दूसरा कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी। वहीं, मध्य प्रदेश पुलिस की सात सदस्यीय एसआईटी ने कंपनी के चेन्नई में स्थित पंजीकृत कार्यालय और कांचीपुरम में स्थित फैक्टरी में जांच की। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने मंगलवार को कहा था कि राज्य में दूषित कफ सिरप के सेवन के बाद गुर्दे खराब होने का इलाज कराते समय कुल 20 बच्चों की मौत हो चुकी है। शहर की एक कंपनी पर वह दवा बनाने का आरोप है। एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां। फैक्टरी को मंगलवार शाम को सील कर दिया गया है।

'देश की सामाजिक सुरक्षा पहलों को वैश्विक मान्यता मिली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि पिछले 10 साल में सरकार की विभिन्न पहलों के कारण देश में 94 करोड़ से ज्यादा लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिला है और इस उपलब्धि को वैश्विक मान्यता मिली है।

श्रम मंत्रालय ने बताया कि देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने और सभी नागरिकों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के शानदार प्रयासों के लिए भारत को इंटरनेशनल सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन (आईएसएसए) द्वारा 'आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन सोशल सिक्योरिटी' 2025 से सम्मानित किया गया है। यह आईएसएसए पुरस्कार पिछले सप्ताह मलेशिया के कुआलालंपुर में मांडविया ने भारत सरकार की ओर से प्राप्त किया।

मांडविया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों का प्रमाण है।

मंत्री ने यह भी जोर देकर कहा कि आईएसएसए की महासभा में भारत का वोट प्रतिशत बढ़कर 30 हो गया है, जो किसी भी सदस्य देश के लिए अनुमत अधिकतम सीमा है।

मंत्री ने कहा, यह उपलब्धि वैश्विक सामाजिक सुरक्षा संवाद और सहयोग को आकार देने में भारत के बढ़ते प्रभाव और नेतृत्व को दर्शाती है।

देश का ध्यान अब 6जी एवं उपग्रह संचार पर : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारत की महत्वाकांक्षाएं 5जी तक ही नहीं है बल्कि अब ध्यान 6जी एवं उपग्रह संचार पर है। लक्ष्य 6जी पेटेंट का 10 प्रतिशत हासिल करना है। सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने संबोधन में कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक डिजिटल अगुवा के रूप में उभर रहा है।

मंत्री ने भारत के एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा, वह दिन दूर नहीं जब लोग कहेंगे कि दुनिया, भारत पर निर्भर है।

मंत्री ने कहा, मैं आज आप

सभी से अपील करता हूं कि यहां तैयार करें, यहां समाधान करें...भारत नवोन्मेष करता है और दुनिया बदलती है। उन्होंने कहा कि उपग्रह संचार में आज विस्तार हो रहा है, जमीन से समुद्र एवं अंतरिक्ष तक संपर्क सुविधा को आगे बढ़ा रहा है।

सिंधिया ने कहा, दूरसंचार और प्रसारण क्षेत्र में आज उपग्रह संचार बाजार करीब चार अरब डॉलर का है, जो 2033 तक तीन गुना बढ़कर लगभग 15 अरब डॉलर हो जाएगा। इस पूरी क्रांति के केंद्र में हमारे लोग हैं... आने वाले दिनों में भारत, दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रूप से कुशल ताकत बनने जा रहा है।

सिंधिया ने कहा कि भारत की महत्वाकांक्षा 5जी से भी आगे तक फैली हुई है। भारत 6जी गठबंधन का लक्ष्य 10 प्रतिशत पेटेंट हासिल करना है। 6जी के लिए मानक तय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज एक उत्पाद बनाने वाला देश है, न कि केवल सेवा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र।

सिंधिया ने कहा, पीएलआई योजना (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना) के साथ प्रधानमंत्री के संकल्प के परिणामस्वरूप आज लगभग 91,000 करोड़ रुपए का नया उत्पादन हुआ। 18,000 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ और 30,000 नए रोजगार सृजित हुए हैं।

घुसपैठ में कमी आई : बीएसएफ

श्रीनगर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों की सतर्कता और आधुनिक निगरानी उपकरणों के इस्तेमाल के कारण पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशें नाकाम रही हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने कहा कि खुफिया जानकारी है कि आतंकवादी नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर 'लॉन्च पैड' (आतंकवादी ढांचों) पर इंतजार कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद नियंत्रण रेखा पर स्थिति के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यादव ने संवाददाताओं से कहा, बीएसएफ और सेना ने सतर्कता और आधुनिक निगरानी उपकरणों के इस्तेमाल से नियंत्रण रेखा पर जिस तरह से दबदबा बनाया है, उससे यह सुनिश्चित हुआ कि घुसपैठ के प्रयास सफल नहीं हुए।

भारत गाजा में 'नरसंहार' रोकने के लिए इजराइल पर दबाव डाले : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि भारत को गाजा में 'नरसंहार' रोकने के लिए इजराइल पर दबाव डालना चाहिए। स्टालिन ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को इजराइल और उसका साथ दे रहे देशों पर दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए ताकि नरसंहार को रोका जा सके।

वह गाजा में 'नरसंहार' की निंदा करने के लिए यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा आयोजित एक सर्वदलीय विरोध सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, इजराइल द्वारा गाजा पर किए जा रहे अंधाधुंध हमले हम सभी के दिलों को झकझोर रहे हैं। उन्होंने कहा कि

माकपा का विरोध प्रदर्शन मानवीय मूल्य वाले लोगों को एकजुट करने का एक प्रयास है, ताकि सत्तारूढ़ ताकतों से उन हमलों को रोकने का आग्रह किया जा सके जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों और संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन करते हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने हाल के सप्ताहों में गाजा में हुई हत्याओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अपना रुख व्यक्त किया है। उन्होंने आठ सितंबर को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि ''गाजा में जो कुछ हो रहा है, उससे वह इतने विचलित हैं कि वह शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने कहा था कि ''जब निर्दोष लोगों की जान इस तरह कुचली जा रही हो, तो चुप रहना कोई विकल्प नहीं है।

माकपा ने भारत सरकार से इजराइल के साथ सभी व्यापार समझौते रद्द करने की भी अपील की थी।

दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती : गोयल

■ मुझे लगता है कि अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विस्तार के लिए कई पहल कर रही है।

'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' (जीएफएफ) के छठे संस्करण में मंत्री ने कहा कि दुनिया, भारत को विश्वास के साथ देखती है क्योंकि

यह देश उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा, कौशल, वस्तुओं एवं सेवाओं की गारंटी देता है और समय पर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी की दुनिया में भागीदार से लेकर अब प्रमुख वास्तुकार बनने तक, भारत वैश्विक पहल का नेतृत्व कर रहा है।

मंत्री ने कहा, मुझे लगता है कि अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। यह प्रौद्योगिकी को अपनाए बिना, डिजिटल दुनिया को विश्व में हो रही गतिविधियों से अवगत कराए बिना और दुनिया भर में हमारी व्यापारिक साझेदारियों को बढ़ाए बिना संभव नहीं है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि भारत को दुनिया का एक विश्वसनीय साझेदार माना जाए। गोयल ने कहा कि जब भारत 2047 तक 30,000, 32,000 या 35,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, तो ''वित्त जगत के हमारे मित्र तुरंत गणना कर सकते हैं और आप देखेंगे कि इसे हासिल करना बहुत संभव है... कुछ ऐसा जिसे हासिल करने के लिए हम सभी सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी ओर से बुनियादी ढांचे के विकास और उपभोग आधारित वृद्धि के दोनों स्तंभों पर आधारित घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठा रही है।

वैष्णो देवी यात्रा तीन दिन के बाद बहाल

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण तीन दिनों तक स्थगित रहने के बाद श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा आज फिर से बहाल हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी के बाद रोकी गयी यात्रा बुधवार सुबह फिर से शुरू हो गयी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भी एक्स पर पोस्ट किया, जैसा कि पहले ही सूचित किया जा चुका है।

सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम/एपी। वैज्ञानिकों सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को 1989 से धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास में उनके कार्यों के लिए इस साल रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

नोबेल समिति ने कहा कि तीनों वैज्ञानिकों ने 'आणविक ढांचे का एक नया प्रारूप विकसित किया है'।

समिति ने कहा, उन्होंने बड़े स्थानों के साथ आणविक संरचनाएं बनाई हैं, जिनके माध्यम से गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने बुधवार को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की।

रॉब्सन (88) ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से, 74 वर्षीय कितागावा जापान के क्योतो विश्वविद्यालय से और 60 वर्षीय याघी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से संबद्ध हैं।

ज्ञान के खजाने में डूबने वाला ही तरता है : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि चातुर्मास के समापन के दिन आ गए हैं। लंबा समय बीत गया है अब थोड़ा बचा है। गया सो गया, अब आगे का सोचना है। प्रभु महावीर 42 वर्ष का संयम जीवन जीते हुए तीर्थंकर बने और मानव को उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से ज्ञान का खजाना दिया। प्रभु की वाणी से ही जीवन का उद्धार संभव है। प्रभु की वाणी सुनने से मनुष्य के जीवन का पाप कटता है। जैसे जल से नहाने पर तन का मैल हटता है, वैसे ही प्रभु वाणी से पाप के मैल खत्म होते हैं। प्रभु की वाणी सुनने से ही जीवन सफल होता है। भगवान जब मोक्ष में गए तब उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया था, यह भगवान की अंतिम देशना है। यह ज्ञान का खजाना है। इसको सुनने से जीवन में सत्कर्म के मार्ग दिखने लगते हैं। भगवान के ज्ञान खजाने को जितना लुटाएंगे उतना ही बढ़ता जाएगा। इसको सुनने में मनुष्य को रुचि दिखानी चाहिए। बिना रुचि के सुनने से कुछ नहीं होगा। जब मानव में रुचि होगी तो वह वाणी को सुन कर आत्मसात करने का प्रयास करेगा। आत्मसात करने से ही कर्मों की निर्जरा होगी। ज्ञान के खजाने में डूबने वाला ही पार पाता है। प्रवचन में आयंबिल ओली आराधना करने वाले सभी तपस्वियों एवं लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ एवं कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने सभी का सम्मान किया । महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

अशोक रांका बने ट्रस्ट के अध्यक्ष, महेन्द्र मुणोत बने मंत्री

बेंगलूरु सेन्ट्रल संघ की पहली बैठक में नई कार्यकारिणी गठित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के नवगठित संघ भगवान महावीर जैन स्थानकवासी ट्रस्ट, बेंगलूरु सेन्ट्रल की पहली बैठक जैन कॉलेज में सम्पन्न हुई जिसमें गठन के बाद नए पदाधिकारियों का गठन किया गया जिसमें अशोक रांका को ट्रस्ट का अध्यक्ष, सुरेश समदड़िया को चेयरमैन, महेन्द्र मुणोत को मंत्री, रमेश सिसोदिया को उपाध्यक्ष, महावीर भिलवाड़िया सोनी को सहमंत्री व धर्मीचन्द कांठेड़ को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। ट्रस्ट में अब तक 60 ट्रस्टी बनाए जा चुके हैं।

पहली बैठक में रायचन्द छाजेड़, सम्पतराज बागरेचा आदि ने पदाधिकारियों की नियुक्ति में सहयोग दिया। बैठक में आरवी रोड पर स्थानक भवन के लिए ली गई जगह के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा अनेक विषयों पर खुलकर चर्चा हुई।

उपस्थित अनेक ट्रस्टियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दी।

मेवाड़ बालिकाओं के लिए डांडिया व गरबा रास का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला संगठन के तत्वावधान में बालिका मंडल के लिए डांडिया उत्सव में अध्यक्षा स्नेहलता बाफना ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। बालिकाओं ने पारंपरिक परिधानों में गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इस आयोजन का उद्देश्य युवा पीढ़ी को परंपरा और संस्कृति से जोड़ना तथा आपसी एकता और महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका श्वेता लोढ़ा और तनवी जैन ने निभाई। इस अवसर पर महिला मंडल की अनेक पदाधिकारी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन मेवाड़ बालिका मंडल की प्रभारी मेघना हिरण ने किया। सह प्रभारी आशा कोठारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

महिला संगठन की मंत्री अनीता बाबेल ने धन्यवाद दिया। अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया ।

महिलाओं ने 'निर्वाण नोश' नामक पाककला प्रतियोगिता आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) महिला विंग के तत्वावधान में विश्व शाकाहारी दिवस के उपलक्ष्य में 'निर्वाण नोश' नामक पाककला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागी सदस्याओं ने केवल जैन धर्म स्वीकृत सामग्री का उपयोग करके अपनी रचनात्मकता और जायकेदार पाककला कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशबू सालेचा, द्वितीय कविता सालेचा, तृतीय आंचल देसरला का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महिला विंग की अध्यक्ष शर्मिला धोका, उपाध्यक्ष संतोष सालेचा, सचिव सीमा बोहरा, सहसचिव अनीता गादिया सहित बीजेएस मैसूरु के अध्यक्ष राजन बाघमार, उपाध्यक्ष अमित चौहान तथा नेमीचंद बड़ोला, सचिव नवरतनमल पितलिया तथा राजेंद्र देसरला, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला आदि उपस्थित थे।

'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' के प्रचार हेतु शहर में आयोजित हुआ रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयपुर में आगामी 5 से 8 फरवरी को आयोजित होने वाली प्राकृतिक मार्बल, ग्रेनाइट व पत्थर उद्योग की प्रदर्शनी 'इंडिया स्टोनमार्ट-2026' के तेरहवें संस्करण के प्रचार हेतु बुधवार को शहर की पंचसितारा होटल में एक रोड शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मार्बल, ग्रेनाइट, प्राकृतिक पत्थर उद्योग संबंधी विभिन्न अग्रणी संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंडिया स्टोनमार्ट-2026 के संयोजक एवं उपाध्यक्ष नटवर लाल अजमेरा ने 'इंडिया स्टोनमार्ट-2026' के विभिन्न पहलुओं पर प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया और व्यापार एवं उद्योग के व्यापारियों से प्रदर्शनी में शामिल होने का निवेदन किया। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सीडीओएस) के उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कार्यक्रम में शामिल प्राकृतिक पत्थर उद्योग से जुड़े लगभग 100 उद्यमियों व फेडरेशन ऑफ ग्रेनाइट व स्टोन इंडस्ट्री(फिग्सी) के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। भारत स्टोनमार्ट के प्रचार हेतु फिग्सी का हमेशा सकारात्मक समर्थन है। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के संयुक्त महासचिव नरेश पारीक विशेष रूप से उपस्थित थे। पारीक ने रोड शो को संबोधित करते हुए इंडिया स्टोन मार्ट की यात्रा व उद्योग भारती की भागीदारी के बारे में जानकारी दी। नरेश पारीक ने फिग्सी टीम का सम्मान किया जिन्होंने वर्षों से पत्थर उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इंडिया स्टोनमार्ट में लगातार सहयोग प्रदान किया है। इस शो में फिग्सी के पूर्व अध्यक्ष आरके वीरमणि व ईशविंदर सिंह, फिग्सी के वर्तमान अध्यक्ष एस. कृष्णप्रसाद, महासचिव मनोज सिंह महासचिव, सीडीओएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकुल रस्तोगी आदि उपस्थित थे।

डिजिटल क्षेत्र में भारत की बड़ी तरक्की, एक जीबी डेटा एक कप चाय से सस्ता : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिजिटल क्षेत्र में भारत की बड़ी तरक्की, एक जीबी डेटा एक कप चाय से सस्ता : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मोबाइल से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक ढांचा, कारोबार सुगमता और अनुकूल नीतियों से भारत एक निवेश अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में हुई तरक्की का जिक्र करते हुए कहा कि देश में आज एक जीबी डेटा की लागत एक कप चाय से भी कम है।

प्रधानमंत्री ने यहां इंडिया मोबाइल कांग्रेस के उद्घाटन के मौके पर अपने संबोधन में कहा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में हमारी सफलता इस बात का प्रमाण है कि सरकार 'सबसे पहले डिजिटल' मानसिकता के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है...यह भारत में निवेश, नवोन्मेष और 'मेक इन इंडिया' का सबसे अच्छा समय है। उन्होंने कहा, भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सरकार के स्वागतपूर्ण दृष्टिकोण और कारोबार सुगमता की नीतियों ने देश को एक निवेशक-अनुकूल गंतव्य की छवि बनाने में मदद की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार, दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार, नेतृत्व करने के लिए जनशक्ति, गतिशीलता और मानसिकता है। उन्होंने कहा कि ''भारत ने 'मेड इन इंडिया' 4जी प्रौद्योगिकी का पूरा ढांचा पेश किया है। यह देश की बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ भारत विश्व के उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास यह क्षमता है। मोदी ने कहा, यह डिजिटल और प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भरता की दिशा में देश का एक बड़ा कदम है। स्वदेशी 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी ढांचे से हम न केवल बेहतर संपर्क सुविधा सुनिश्चित कर पाएंगे बल्कि देशवासियों को तेज एवं भरोसेमंद इंटरनेट भी दे पाएंगे। उन्होंने कहा, डेटा खपत के मामले में, हम दुनिया के अग्रणी देशों में से एक हैं। इसका मतलब है कि भारत में डिजिटल संपर्क सुविधा अब एक विशेषाधिकार या विलासिता नहीं है बल्कि यह भारतीय जीवन का एक अभिन्न अंग है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में मुठभेड़ के बाद 3 गैंगस्टर गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार थे, तभी लखनपुर इलाके में पुलिस की एक टीम ने उन्हें जांच के लिए रोका। पुलिस के अनुसार, पंजाब सीमा की ओर से आ रहे आरोपियों ने गोलीबारी की और अपनी मोटरसाइकिल से घटनास्थल से भागने की कोशिश की।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने चेतावनी स्वरूप गोलियां भी चलाईं और बदमाशों का पीछा किया, जिसके बाद बदमाशों का संतुलन बिगड़ गया और वे किडियन घड़ियाल पुल के पास सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गए, जिससे वे घायल हो गए। उन्होंने बताया कि संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें कठुआ के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में से एक मुराद अली कठुआ जिले में चार मामलों में वांछित है।

आयुर्वेदिक कफ सिरप और घरेलू उपचार बच्चों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हैं : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बच्चों को दी जाने वाली खांसी की दवाइयों की गुणवत्ता को लेकर चिंताओं के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि आयुर्वेदिक उपचार पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी विकल्प हैं।

अखिल भारतीय चिकित्सक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर.पी. पाराशर ने मंगलवार को कहा कि आयुर्वेदिक कफ सिरप, जड़ी-बूटियां और घरेलू उपचार दो साल से अधिक उम्र के बच्चों को बिना किसी डर के दिए जा सकते हैं।

यह टिप्पणी मध्य प्रदेश में कथित जहरीले कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत के बीच की गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने तीन अक्टूबर को सभी राज्यों को एक परामर्श जारी कर दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां देने पर प्रतिबंध लगा दिया था। परामर्श के अनुसार, आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने की सलाह दी जाती है। पांच साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार की दवा देने के बाद उसका सावधानीपूर्वक नैदानिक मूल्यांकन, कड़ी निगरानी और उचित खुराक, कम से कम अवधि और कई दवाओं के संयोजन से बचने के सख्त पालन के बाद किया जाना चाहिए। परामर्श में बच्चों के लिए कफ सिरप के विवेकपूर्ण और तर्कसंगत नुस्खे और वितरण पर भी जोर दिया गया। डा. पाराशर ने बताया कि छह माह से कम उम्र के बच्चों को खांसी, जुकाम या ठंड लगने पर उनकी छाती पर हल्के गर्म घी या तेल से मालिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा, बच्चों की माताओं को ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जिसकी प्रकृति ठंडी होती हैं और शरीर में 'कफ' और 'दोष' बढ़ाते हैं। छह महीने से अधिक उम्र के बच्चों को तुलसी, अदरक, लौंग, काली मिर्च और खजूर के साथ दूध उबालकर पिलाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह दूध उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएगा और खांसी-जुकाम से तुरंत राहत प्रदान करेगा। आयुर्वेदिक कफ सिरप तुलसी, मुलेठी, काकड़सिंगी, भारंगी, पुष्करमूल, बहेड़ा, पुदीना, पिप्पली, काली मिर्च, दालचीनी, तेजपत्ता और तालीसपत्र जैसी जड़ी-बूटियों से बनाए जाते हैं। डॉ. पाराशर ने बताया कि इनका बच्चों पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। इसके अलावा, बच्चों को सितोपलादि चूर्ण और तालिशादि चूर्ण शहद में मिलाकर दिया जा सकता है या वासावलेह और अगस्त्य हरीतकी जैसी औषधियाँ भी दी जा सकती हैं। ये सभी औषधियां बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19,650 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का बुधवार को उद्घाटन किया। उन्होंने इसे विकसित भारत की एक झलक बताया, जो मुंबई क्षेत्र को एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी केंद्र बनाने में मदद करेगा।

एनएमआईए का पहला चरण 19,650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है और दिसंबर में चालू हो जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डा है। इससे पहले, मोदी को लेकर विमान नए हवाई अड्डे पर उतरा। यह मुंबई क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा है। कुल 1,160 हेक्टेयर में फैले इस हवाई अड्डे में पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे होगा, जिसकी वार्षिक यात्री क्षमता दो करोड़ होगी।मोदी ने विमानन परियोजना का उद्घाटन करने के बाद कहा, मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि शहर को अब अपना दूसरा हवाई अड्डा मिल गया है, जिससे महाराष्ट्र के किसानों को यूरोप और अमेरिका के सुपरमार्केट से जुड़ने में भी मदद मिलेगी। यह परियोजना वर्षों से बन रही थी और इसमें कई बार देरी हुई। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि यह हवाई अड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र को एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कुल 1,160 हेक्टेयर में फैला यह नया हवाई अड्डा भारत की विमानन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारी यातायात के बोझ को कम करेगा। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी परियोजना है जिसमें विकसित भारत की झलक दिखती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा नए निवेश को आकर्षित करेगा और रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा।

भारत 125 गीगावाट क्षमता के साथ तीसरा बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बना : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 125 गीगावाट तक पहुंच गई है जिससे देश विश्व में तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है।

जोशी ने यह बात अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की आठवीं सभा के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा, 28वें जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के निष्कर्षों के अनुरूप दुनिया को वर्ष 2030 तक 11,000 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करनी होगी, और इसके लिए सौर ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की आठवीं सभा 27 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी के 'भारत मंडपम' में आयोजित होगी। जोशी ने कहा कि भारत और फ्रांस के साझा दृष्टिकोण से उपजे इस संगठन ने अब एक शक्तिशाली वैश्विक मंच का रूप ले लिया है। आईएसए की सदस्यता का विस्तार अब 124 देशों तक हो चुका है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह एक छोटे पौधे से विशाल वृक्ष बन चुका है, जो सभी को सूर्य के नीचे आशा और सुरक्षा प्रदान करता है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' पर नकेल कसने के लिए कई जगहों पर छापे मारे

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवादी संगठनों के 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' पर नकेल कसने के अपने प्रयासों के तहत बुधवार को घाटी में कई स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। एसआईए ने कश्मीर घाटी के सात जिलों में आठ स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी पुलिस थाना सीआई/एसआईए कश्मीर में दर्ज प्राथमिकी क्रमांक 01/2025 की जारी जांच के तहत की गई। यह मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी कमांडरों के इशारे पर घाटी में सक्रिय 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' से संबंधित है।

पंजाब में अगले साल से नहीं होगी बिजली कटौती: अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालंधर/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि पंजाब में बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं और उन्होंने वादा किया कि अगली गर्मियों के मौसम से यहां बिजली कटौती नहीं होगी।

केजरीवाल ने विद्युत पारेषण एवं वितरण इकाई की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनके साथ मौजूद रहे। दिल्ली में मुख्यमंत्री रहते हुए निर्धारित सीमा तक बिजली शुल्क माफ करने वाले केजरीवाल ने कहा, पंजाब में 90 प्रतिशत लोगों को मुफ्त बिजली मिलती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों को सिंचाई के लिए कम से कम आठ घंटे बिजली मिल रही है और जल्द ही इसे बढ़ाकर पूरे दिन के लिए बिजली मुहैया करवाई जाएगी। केजरीवाल ने कहा, अब हम अगले चरण पर पहुंच गए हैं जिसके तहत 24 घंटे बिजली की आपूर्ति होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के उन्नयन में बिजली की 25 हजार किलोमीटर तक नई केबल बिछाने, बिजली के आठ हजार नए ट्रांसफार्मर लगाने और इसके 77 नए सब-स्टेशन स्थापित करना शामिल है। उन्होंने दावा किया, बुनियादी ढांचे का उन्नयन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और पूरी व्यवस्था आधुनिक होगी। अगली गर्मियों में पंजाब में बिजली कटौती नहीं होगी।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां उपयोग में आसान, सर्व सुलभ उत्पाद बनाएं : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से उपयोग में आसान और सभी के लिए सुलभ उत्पाद डिजाइन करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह भारत को वित्तीय समावेश हासिल करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने में मददगार होगा।

मल्होत्रा ने 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 को संबोधित करते हुए बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे का भी उल्लेख किया और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास तेज करने की वकालत की।

मल्होत्रा ने एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स का हवाला देते हुए कहा, अपने ग्राहकों के पहले से कहीं अधिक करीब पहुंचिए, इतना करीब कि उन्हें यह पता चलने से पहले ही बता दीजिए कि उन्हें क्या चाहिए। उन्होंने कहा कि 'सबसे पहले ग्राहक दृष्टिकोण' अपनाएं और ऐसे उत्पाद और सेवाएं डिजाइन करें जो उपयोग में आसान हों, सभी के लिए सुलभ हों और सहायक प्रौद्योगिकी के साथ हों, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वरिष्ठ नागरिक, सीमित डिजिटल साक्षरता वाले व्यक्ति और विशेष रूप से दिव्यांग जैसे कमजोर समूह पीछे न छूटें।

आरबीआई गवर्नर ने इस क्षेत्र से विश्वास और अनुपालन को प्राथमिकता देने के साथ-साथ प्रत्येक उत्पाद और सेवा में उपभोक्ताओं के लिए मजबूत 'डाटा' सुरक्षा, पारदर्शिता और सुरक्षा उपायों को शामिल करने का भी आग्रह किया।

इसके अलावा, मल्होत्रा ने उनसे 'स्थानीय को प्राथमिकता देते हुए वैश्विक सोच' का आह्वान किया। ''अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ जुड़ें, सीख साझा करें, वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों को अपनाएं और डिजिटल वित्त के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को अपनाकर और भारत की डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) की अनूठी खूबियों का उपयोग करके, एक जीवंत परिवेश, डिजिटल रूप से जुड़ी आबादी, सक्षम नीतियों और गहन तकनीकी प्रतिभा के साथ, फिनटेक डिजिटल अंतर को पाट सकता है। साथ ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ नवोन्मेष को बढ़ावा दे सकता है।

समीक्षा बैठक

बेंगलूरु के विधानसभा में बुधवारको ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में और राज्य में अन्यत्र निर्मित भवनों में पानी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री एच.के. पाटिल, के.जे. जॉर्ज, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियांक खरगे, रहीम खान, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना, सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, शहरी विकास विभाग के अधिकारी और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्नातक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में प्रोफेसर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक निजी विश्वविद्यालय के 45 वर्षीय प्रोफेसर को पिछले महीने अपने आवास पर 19 वर्षीय स्नातक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। छात्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 25 सितंबर को दोपहर के भोजन के बहाने आरोपी प्रोफेसर ने उसे घर बुलाया।

हालांकि शुरुआत में उसने मना कर दिया, लेकिन वह बार-बार उसे अपने साथ चलने के लिए कहता रहा। उसने छात्रा की मां से भी बात की और उसे भरोसा दिलाया कि उसकी पत्नी और बच्चे घर पर होंगे और वह सुरक्षित रहेगी।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि इससे पहले प्रोफेसर ने उसके माता-पिता से संपर्क किया था और उसकी कम उपस्थिति के बारे में चर्चा की थी तथा उन्हें आश्वासन दिया था कि वह उसके कॉलेज के कामों में मदद कर सकता है तथा उसकी शंकाओं को दूर कर सकता है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे अपने फ्लैट के पास पेइंग गेस्ट आवास लेने के लिए भी राजी कर लिया, ताकि जब भी वह कॉलेज से संबंधित काम के लिए बुलाए तो वह उससे मिल सके।

शिकायत के अनुसार, उसके आश्वासन पर भरोसा करके उसकी मां ने उसे प्रोफेसर के साथ उसके घर जाने को कहा। हालांकि, जब वे उसकी दोपहिया गाड़ी से प्रोफेसर के घर पहुंचे तो उसने बताया कि उसकी पत्नी और बच्चे घर पर नहीं हैं और अगले महीने ही लौटेंगे। उसने आरोप लगाया कि जब वह आगे बढ़ने में हिचकिचा रही थी तो उसने आश्वासन दिया कि वह सुरक्षित रहेगी और वह उसके साथ कुछ महत्वपूर्ण बात करना चाहता है, जो वह इमारत के तहखाने में नहीं कर सकता था।

शिकायतकर्ता ने बताया कि घर ले जाने के बाद वह उसके बगल में सोफ़े पर बैठ गया और उससे निजी सवाल पूछने लगा। उसने उसे अपने प्रेमी से रिश्ता तोड़ने के लिए भी मनाया। उसने उसके नंबर और उपस्थिति में मदद करने का भी वादा किया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे अनुचित तरीके से छुआ और उसका यौन उत्पीड़न किया, जबकि उसने उसकी हरकतों पर आपत्ति भी जताई थी। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि इसी बीच, उसे एक दोस्त का फोन आया और उसने कहा कि उसे तुरंत कहीं जाना है।

हालांकि, आरोपी प्रोफेसर ने उसे इस घटना के बारे में किसी को न बताने की चेतावनी दी और दावा किया कि वह सिर्फ उसके प्रेमी के प्रति उसकी वफादारी की परीक्षा ले रहा था। पुलिस ने बताया कि बाद में उसने (पीड़िता) तिलक नगर थाने में अधिकारियों से संपर्क किया और आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, प्राप्त शिकायत के आधार पर हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

किसान बाढ़ से जूझ रहे हैं और कांग्रेस सरकार 'गायब' है : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस सरकार स्थिति से निपटने के बजाय ''गायब'' हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पार्टी की सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह जाति सर्वेक्षण पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जबकि किसान कर्ज और निराशा में डूब रहे हैं।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भीमा बेसिन के किसान तबाह हो गए - कांग्रेस सरकार गायब हो गई। बाढ़ और लगातार बारिश ने कलबुर्गी, यादगीर और बीदर में हजारों एकड़ फसल को नष्ट कर दिया है, जिससे 3.5 लाख से अधिक किसान निराश हैं।'' उन्होंने कहा, ''पट्टे की जमीन पर लाखों का निवेश करने वाले किसानों ने सब कुछ खो दिया है लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।'' किसानों के आत्महत्या करने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा कि पट्टे पर जमीन लेकर खेती कर रहे किसान मुआवजे के भी पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी कहां हैं, जो देश को न्याय और करुणा के बारे में व्याख्यान देते हैं? जब कर्नाटक के किसान मदद के लिए रोते हैं, तो गांधी परिवार और विधान सौधा में उनकी ''कठपुतलियां'' चुप रहती हैं।

515 आर्मी बेस वर्कशॉप ने सेना की एआई ड्रोन क्षमता में बढ़ोतरी के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 515 आर्मी बेस वर्कशॉप ने एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (सेना)/ इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियर्स के महानिदेशालय और इंडीएस्ट्रा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद भारतीय सेना की भूमि प्रणालियों के लिए एआई से सक्षम ड्रोन क्षमताओं को तेज़ी से विकसित करना है। यह साझेदारी परिचालन संबंधी अनिवार्यताओं और आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस सहयोग का समन्वय 515 एबीडब्ल्यू के जरिए किया जाएगा।

इस एमओयू से ड्रोन निर्माण में तकनीकी समावेशन को सक्षम बनाया जाएगा। इसमें एआई आधारित फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम और मानक ड्रोन संचालन प्लेटफ़ॉर्म पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इंडीएस्ट्रा, 515 एबीडब्ल्यू को ड्रोन तकनीकों के समग्र मूल्यांकन के लिए तकनीकी परामर्श देगी। इसमें सबसिस्टम की समीक्षा, एकीकरण की तत्परता और सेना के मानकों की अनुरूपता शामिल हैं। 515 एबीडब्ल्यू जरूरत के आधार पर निर्माण परीक्षण, मान्यता और प्रमाणीकरण सहायता के लिए अनुरोध इंडीएस्ट्रा को भेजेगी, जिसमें इंटरऑपरेबिलिटी, सुरक्षा और मानकों की अनुरूपता पर खास जोर दिया जाएगा।

यह एमओयू महत्त्वपूर्ण मानव रहित प्रणालियों के लिए स्वदेशी क्षमता को मजबूत करेगा और आयात पर निर्भरता को कम करेगा। यह सेना के अभियानों का समर्थन करने वाले एआई-सक्षम ड्रोन समाधानों को तैनात करने की प्रक्रिया को तेज़ करेगा। यह मॉडल भविष्य की परियोजनाओं और संबंधित उपप्रणालियों के लिए दोहराने योग्य रूप में तैयार किया गया है। यह साझेदारी ऑपरेशनल तत्परता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी।

विरोध

बेंगलूरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्य बुधवार को कर्नाटक के बेंगलूरु में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर एक वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश की निंदा करते हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

पूर्व पुलिस आयुक्त ने सीजेआई गवई की ओर जूता उछालने वाले वकील की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पूर्व पुलिस आयुक्त एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता भास्कर राव ने प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की ओर जूता उछालने वाले अधिवक्ता राकेश किशोर की प्रशंसा की है। हालांकि, आलोचना होने के बाद राव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए माफी मांग ली। राव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंगलवार को एक पोस्ट में कहा था, ''भले ही यह कानूनी रूप से बहुत गलत हो, लेकिन मैं इस उम्र में भी आपके साहस की प्रशंसा करता हूं कि आपने परिणामों की परवाह किए बिना एक रुख अपनाया और उस पर कायम रहे।'' राव के इस पोस्ट पर कई एक्स' उपयोगकर्ताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

नितिन शेषाद्रि ने हैरानी जताते हुए कहा, ''मान्यवर, मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी। क्या यह नाथूराम गोडसे और नारायण आप्टे के मुकदमों में उनके बचाव में इस्तेमाल की गई भाषा जैसी नहीं थी?'' एक अन्य उपयोगकर्ता ने बेंगलूरु पुलिस को टैग करते हुए लिखा, ''आपको इस पोस्ट पर कार्रवाई करनी चाहिए!'' राव ने बाद में बुधवार को एक पोस्ट कर अपनी राय के लिए माफी मांगी।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा, मेरी प्रतिक्रिया हैरानी और सदमे से भरी थी कि एक व्यक्ति इतना शिक्षित, वृद्ध और अनुभवी होने के बावजूद एक भयानक और कानूनी रूप से गलत कार्य के परिणामों को पूरी तरह से जानते हुए यह कृत्य कर रहा है। मैंने न तो उच्चतम न्यायालय, न ही प्रधान न्यायाधीश या किसी समुदाय का अपमान किया है। अगर मेरे पोस्ट से किसी को गुस्सा आया है या ठेस पहुंची है, तो मुझे खेद है। राव ने चामराजपेट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन बी जेड जमीर अहमद खान से हार गए थे। खान मौजूदा कर्नाटक सरकार में आवास मंत्री हैं।

सोमवार को अदालती कार्यवाही के दौरान 71-वर्षीय वकील ने कथित तौर पर शिष्टाचार का उल्लंघन करते हुए प्रधान न्यायाधीश गवई की ओर जूता उछालने की कोशिश की।

कोप्पल में भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व पदाधिकारी की हत्या

कोप्पल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की युवा शाखा के एक पूर्व स्थानीय पदाधिकारी की बुधवार को पुरानी रंजिश के एक संदिग्ध मामले में एक गिरोह ने हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार तड़के कोप्पल जिले के गंगावती तालुक में हुई जब पूर्व युवा मोर्चा नेता वेंकटेश अपने एक दोस्त से मिलने के बाद एक अन्य दोस्त के साथ दोपहिया वाहन पर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, पांच-छह हमलावरों का समूह एक कार में आया और उसके वाहन को रोक लिया। उन्होंने उस पर छुरी से हमला कर दिया। हालांकि, उसका दोस्त मौके से भाग गया। वेंकटेश पर हमला करने के बाद हमलावर अपने वाहन से फरार हो गए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचनाः सीएओ/सीएन/बीएनसी/127/2025 दिनांकः 15.07.2025 के शुद्धिपत्र का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
1.	तुमकूर-चित्रदुर्ग	रु. 413,07,10,552/-

-दावणगेरे न्यू लाइन प्रोजेक्ट में तवारेकेरे (छोड़कर) एवं हिरियूर (छोड़कर) स्टेशनों के बीच चैनेज 66400 एवं चैनेज 90000 (23.600 किमी.) के बीच न्यू ब्रॉड गेज लाइन के निर्माण सहित सिविल एवं ट्रैक कार्य, सिग्नल एवं टेलीकम्यूनिकेशन कार्य, रेलवे विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिकल जनरल सेवाएं।

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वर्क्स, बेंगलूरु छावनी

PUB/526/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

शिक्षा ही समाज का कल्याण करती है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि समाज के कल्याण के लिए इसका उपयोग करना है। इसलिए, छात्रों को शिक्षा में प्राप्त ज्ञान का उपयोग बेहतर समाज के निर्माण और देश के विकास के लिए करना चाहिए, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने आह्वान किया। उन्होंने बेंगलूरु विश्वविद्यालय के 60वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा, यह दीक्षांत समारोह शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान और समाज सेवा की छह दशकों की यात्रा का स्मरण कराता है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक विरासत की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्वविद्यालय 'ज्ञानं विज्ञानं सहितम' के आदर्श वाक्य को जीवन में चरितार्थ करते हुए निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल की है।

राज्यपाल ने मानद उपाधि प्राप्त करने वालों को बधाई दी और कहा, आप समाज और राष्ट्र की भलाई के लिए निरंतर सेवा करते रहें। उन्होंने 60वें दीक्षांत समारोह में स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए कहा, अब आप शिक्षा से अनुभव और कर्म के पथ पर अग्रसर हो रहे हैं। आप नई चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए आश्वस्त रहें। स्वामी विवेकानंद के शब्दों, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, का हवाला देते हुए राज्यपाल ने छात्रों से अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देश के विकास के लिए करने का आग्रह किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के इस विचार का हवाला देते हुए कि 'राष्ट्र का निर्माण शिक्षण संस्थानों में होता है', राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता केंद्र बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने नए भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और वेंचर कैपिटल फंड योजनाओं के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने शिक्षकों और अभिभावकों की सेवा की प्रशंसा करते हुए कहा, छात्रों की सफलता उनके मार्गदर्शन का प्रतिफल है। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. प्रहलाद रामा राव, कुलपति डॉ. जयकर शेट्टी सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एर्नाकुलम से बेंगलूरु तक नई वंदे भारत ट्रेन को मंजूरी : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/बेंगलूरु। केंद्र सरकार ने एर्नाकुलम से त्रिशूर और पलक्कड़ होते हुए बेंगलूरु तक एक नई वंदे भारत ट्रेन को मंजूरी दी है। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि यह सेवा नवंबर के मध्य तक शुरू होने की उम्मीद है।

चंद्रशेखर ने कहा कि बेंगलूरु एक ऐसा शहर है जहां बड़ी संख्या में केरलवासी कार्यरत हैं, जिनमें आईटी क्षेत्र के पेशेवर भी शामिल हैं। भाजपा नेता ने कहा कि लंबे समय से केरल से बेंगलूरु के लिए और ट्रेनों की मांग की जा रही है। उन्होंने लिखा, ''धन्यवाद मोदी! एर्नाकुलम से त्रिशूर और पलक्कड़ होते हुए बेंगलूरु तक वंदे भारत ट्रेन को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार का आभार।'' चंद्रशेखर ने कहा कि इस मार्ग पर लंबे समय से और ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है तथा उन्होंने एक महीने पहले रेल मंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. ईसीएन-1-2025 दिनांक 29.09.2025 का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
दो वर्षों की अवधि के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/बेंगलूरु छावनी कार्यालय परिसर का शिड्यूल मेंटीनेंस और वैकल्पिक स्पेयर प्रतिस्थापना सहित एयर कंडीशनिंग यूनिट की एएमसी के साथ विश्राम गृह, निर्माण/मैसूर यूनिट और निर्माण/बेंगलुरु छावनी/एफवी एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर/इलेक्ट्रिकल/निर्माण/बेंगलूरु छावनी द्वारा रखरखाए किए जा रहे सर्विस बिल्डिंग, क्वार्टरों, ओआरएच, स्विच रूम के इलेक्ट्रिकल रखरखाव कार्य की लोकल आउटसोर्सिंग के साथ इलेक्ट्रिकल वस्तुओं को बदलना।	रु. 29,59,136.00

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथिः 23.10.2025 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य विद्युत अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन-II/निर्माण/बेंगलुरु छावनी

PUB/532/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR @SWRAILWAYHQ @sw_railways

टाटा हाउसिंग ने बेंगलूरु की नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये के घर बेचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रियल्टी कंपनी टाटा हाउसिंग ने बुधवार को कहा कि उसने बेंगलूरु की एक नई आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के घरों की बिक्री की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 'एकीकृत टाउनशिप कर्नाटिका' की टाटा हाउसिंग वरनम फेज-1 परियोजना की अगस्त में हुई पेशकश के बाद से 377 इकाइयों की बिक्री की है जिनका मूल्य 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। यह टाउनशिप नॉर्थ बेंगलूरु में स्थित है और 135 एकड़ में प्रस्तावित है। इसकी वरनम फेज-1 परियोजना 20 एकड़ में फैली हुई है जिसमें 582 अपार्टमेंट और 48 टाउनहाउस एवं घर प्रस्तावित हैं। टाटा रियल्टी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय दत्त ने कहा, 'बेंगलूरु का प्रीमियम आवासीय बाजार तेजी से बढ़ रहा है। हमारी रणनीति उस बदलाव का पहले से अनुमान लगाने की है जो जीवनशैली, स्थिरता और दीर्घकालिक मूल्य में संतुलन बनाए रखने वाली एकीकृत टाउनशिप है।'

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. 24/2025 दिनांक 30.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्रम. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा देय तिथि
1	33251033ए	एलएचबी कोच के लिए सभी प्रकार के यॉव डैम्पर	1060 नग	15.10.2025
2	79251038	तकिया कवर, सफेद हैंडलूम कॉटन की आपूर्ति	662058 नग	20.10.2025
3	33251289	एलएचबी कोच के लिए प्रेशर कन्वर्टर के साथ डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व	70 नग	23.10.2025
4	33255028	ड्राइंग नं. एलडब्ल्यू03007 के अनुसार एलएचबी कोच के लिए बोगी फ्रेम एसेम्बली	24 नग	30.10.2025
5	56251092	पीवीसी सिग्नलिंग केबल 30 कोर x1.5 एमएम	119 किमी.	27.10.2025
6	31251282ए	1400 एचपी डेमु के लिए ट्रेक्शन मोटर सस्पेंशन यूनिट	26 सेट	03.11.2025

सभी निविदाओं का अंतिम समय 10.30 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुब्बल्लि

PUB/529/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

संबोधित

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बुधवार को बेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

सेंथिल बालाजी ने करूर भगदड़ में घायल हुए लोगों को चेक सौंपे

करूर। करूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) के नेता सेंथिल बालाजी ने 27 सितंबर को यहां तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी की रैली के दौरान भगदड़ में घायल हुए 45 लोगों के परिवारों को बुधवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से चेक सौंपे। अभिनय से राजनीति में आए टीवीके प्रमुख विजय की 27 सितंबर को करूर में हुई जनसभा में भगदड़ मचने से 41 लोगों की जान चली गई थी। तमिलनाडु सरकार ने मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की घोषणा की थी।

प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियां राज्य के लोगों, विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि (सूरत) के साथ ही अपनी मातृभूमि (राजस्थान) के विकास में भी योगदान दें। शर्मा बुधवार को गुजरात के सूरत में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुजरात और राजस्थान का संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है बल्कि दोनों राज्यों के बीच रत्न एवं आभूषण, फार्मा, वस्त्र उद्योग और राज्य में प्रस्तावित पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के साथ साथ सांस्कृतिक, सामाजिक सहयोग की भी अपार संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत और राजस्थान उद्यमिता, सृजनशीलता और धैर्य की साझा भावना से जुड़े हैं। सूरत हीरे की कटाई और सिंथेटिक टेक्सटाइल्स के लिए विश्व प्रसिद्ध है, वहीं राजस्थान रंगीन पत्थरों, कुंदन, मीनाकारी, वस्त्र और रत्नों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर राजस्थान को विश्व का 'जेम्स एंड ज्वेलरी हब' बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

शर्मा ने 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस में प्रवासी राजस्थानियों को बड़ी संख्या में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े उद्योगपतियों में प्रवासी राजस्थानी शामिल हैं, जो हमारे गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विज्ञान, व्यवसाय, कला, खेल, साहित्य, सिनेमा, संगीत और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दिसम्बर में पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी की शुरुआत करने जा रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार निवेशकों को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और डेटा सेंटर्स स्थापित करने में हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने उद्यमियों और निवेशकों को आईटी, फार्मा, टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, पर्यटन और खनन जैसे क्षेत्रों में निवेश करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के साथ संबंध मजबूत करने के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार किया है। वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स देश और विदेश में सक्रिय हैं। ये चैप्टर्स प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ सार्थक संवाद, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समर्पित विभाग भी स्थापित करने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य राजस्थान के वैश्विक प्रवासी समुदाय को राज्य के विकास में सहभागी बनाना और 'विकसित राजस्थान 2047' के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। राज्य सरकार के प्रयासों से राजस्थान देश के सबसे अधिक निवेश-अनुकूल और प्रगतिशील राज्यों में शामिल हुआ है।

उन्होंने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने 20 से अधिक नई नीतियां लागू तथा संशोधित की हैं, जिससे एक प्रगतिशील व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स)-2024 के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 1400 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी निवेशकों को दी गई है, जिससे निवेश के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पहलों ने राजस्थान में उद्योग स्थापित करना और निवेश करना न केवल पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है बल्कि नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के अनेक नए द्वार भी खोले हैं।

शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से राज्य सरकार की योजनाओं जैसे पंचायत समिति नंदीशाला जन सहभागिता योजना, भामाशाह योजना, ज्ञान संकल्प पोर्टल तथा सरकारी कॉलेजों, अस्पतालों और विद्यालयों के नामकरण जैसी पहलों में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपकी सक्रिय भागीदारी और सहयोग से हम राज्य के अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन ला सकते हैं और आधारभूत संरचना को सशक्त बना सकते हैं।

डोटासरा ने अस्पताल में आग की घटना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को कहा कि स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को एसएमएस अस्पताल में आग लगने की घटना की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। बूंदी में मीडियाकर्मियों से बातचीत में डोटासरा ने राज्य सरकार पर इस तरह की घटनाओं को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री खींवसर को इस्तीफा देना चाहिए और इस पर्ची व्यवस्था को बदलना चाहिए। कांग्रेस नेता राजस्थान की भाजपा सरकार को अक्सर पर्चीवाली सरकार कहते हैं और दावा करते हैं कि सभी निर्देश केंद्र से आते हैं तथा राज्य में नौकरशाही ही सब कुछ चलाती है।

अधिकारियों के अनुसार, रविवार रात ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंज़िल पर स्थित न्यूरो आईसीयू में आग लग गई, जिससे आईसीयू में भर्ती 11 में से छह मरीज़ों की मौत हो गई। उसी मंज़िल पर स्थित एक अन्य गहन देखभाल कक्ष (आईसीयू) से 14 मरीज़ों को निकाला गया, जिनमें से दो की बाद में मौत हो गई। डोटासरा ने पूछा, लोग खुद को बचाने के लिए अस्पताल पहुंचे, लेकिन उनकी जान चली गई। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? उन्होंने कहा, वे (भाजपा) कांग्रेस पर त्रासदियों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन हम तो बस यह पूछ रहे हैं कि जानमाल के नुकसान के लिए कौन-कौन ज़िम्मेदार है। और हम पीड़ितों के लिए सहायता और मुआवज़े की मांग कर रहे हैं, जो बिल्कुल भी राजनीति नहीं है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि अस्पताल के कर्मचारियों को कुछ दिन पहले ही तार में चिंगारी निकलने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन किसी ने भी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया और अंततः एक बड़ी त्रासदी घटित हुई जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई। डोटासरा ने कहा, घटना के बाद, एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक ने आग लगने से मौत होने की बात से इनकार किया और दावा किया कि लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। उन्होंने यह सोचने की भी जहमत नहीं उठाई कि धुआं आग की वजह से फैला था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री ने त्रासदी के बाद अस्पताल का दौरा किया और सभी सबूत मिटाने के निर्देश दिए। डोटासरा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री अभी भी आग लगने के कारणों की व्याख्या करने में असमर्थ हैं। न तो उन्होंने और न ही मुख्यमंत्री ने कोई बयान जारी किया है।

बारां जिले के अंता में 11 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के बारे में डोटासरा ने कांग्रेस की जीत को लेकर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, लोग परेशान हैं, लेकिन सरकार खुश दिख रही है। ऐसे में कांग्रेस उपचुनाव जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान इस सीट के लिए उम्मीदवार का फैसला करेगा। यह सीट मई में भाजपा विधायक कंवर लाल मीणा को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद रिक्त हुई थी। मीणा को उप-विभागीय मजिस्ट्रेट पर पिस्तौल तानने के 20 साल पुराने मामले में दोषी ठहराया गया था।

बिहार में मोदी-नीतीश के नेतृत्व में राजग एकजुट, विपक्ष दिशाहीन : त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पूरी एकता और नेतृत्व की स्पष्टता के साथ तैयार है, जबकि विपक्षी गठबंधन अंतर्कलह और दिशाहीनता से जूझ रहा है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में जनभावना राजग के पक्ष में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, हाल के जनमत सर्वेक्षण यह स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि राजग को बड़ी बढ़त हासिल है, और जब ये आंकड़े वोटों में तब्दील होंगे तो इसका परिणाम एक निर्णायक जनादेश के रूप में सामने आएगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि बिहार में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन विरोधाभासों का गठजोड़ है।

उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में पारिवारिक विवादों और नेतृत्व को लेकर भ्रम को प्रमुख कमजोरियां बताया। उन्होंने कहा, जो खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताते हैं, उनमें नेतृत्व की क्षमता नहीं है, और जो खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार मानते हैं, वे अपने ही गठबंधन में किसी एक नेता के नाम पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूर्वी भारत, विशेष रूप से बिहार के आर्थिक विकास को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा, इसके लिए एक स्थिर व दूरदर्शी सरकार की आवश्यकता है, जो राजग ही बना सकता है। बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरण में होंगे। पहले चरण में छह नवंबर जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बारिश और उत्तरी हवाओं से तापमान में आठ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के अनेक इलाकों में हाल में भारी बारिश होने एवं उत्तरी हवाएं चलने से तापमान में अच्छी खासी गिरावट आई है। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार बुधवार सुबह तक के 24 घंटे में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम एवं अधिकतम तापमान में तीन से आठ डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि आगामी 24 घंटे में तापमान के पुन: दो से तीन डिग्री बढ़ने की संभावना है। केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में राज्य के उत्तरी एवं पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की एवं मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश बाड़ी (धौलपुर) में 43.0 मिलीमीटर हुई। केंद्र के मुताबिक आगामी दो सप्ताह के दौरान राज्य के अधिकतर भागों में मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है।

सहायक उपनिरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के जालोर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) को 50,000 रुपए की कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्यूरो के अनुसार पुलिस बागोड़ा थाने के एएसआई कल्याण सिंह को गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने शिकायत की थी कि उसके रिश्तेदार के खिलाफ प्रकरण में दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने तथा मदद करने की एवज में आरोपी रिश्वत के तौर 35,000 रुपये ले चुका है तथा 65000 रुपये और मांग रहा है । अतिरिक्त महानिदेशक के मुताबिक ब्यूरो की टीम ने आज कार्रवाई करते हुए आरोपी को परिवादी से 50,000 रुपये बतौर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मामले की जांच की जा रही है।

एसआईआर लोकतंत्र के विरूद्ध एक साजिश है : रंधावा

कोटा/दक्षिण भारत। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लोकतंत्र के खिलाफ साजिश करार देते हुए कांग्रेस के राजस्थान मामलों के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बुधवार को दावा किया कि पहले लोग वोट के जरिए सरकार चुनते थे लेकिन अब सरकार ही तय कर रही है कि कौन वोट देगा और कौन नहीं। रंधावा बूंदी में मीडिया से बात कर रहे थे। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी थे। रंधावा ने आरोप लगाया,पहली बार एक राज्य (महाराष्ट्र) में मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, जबकि दूसरे राज्य (बिहार) में मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। यह पूरे देश में हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से अपील करना चाहूंगा कि लोकतंत्र में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को जगह दी जाए। हम अपने मताधिकार को किसी और के हाथ में कभी नहीं जाने देंगे।

सांसद रोत को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी

जयपुर/दक्षिण भारत। बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक पर एक व्यक्ति ने एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए राजकुमार रोत को गोली मारने की धमकी दी। यूजर ने कल टिप्पणी की थी कि जो उसे गोली मारेगा, उसे वह इनाम देगा।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के गंगानगर जिले में सूरतगढ़-अनूपगढ़ राज्य राजमार्ग पर बुधवार तड़के सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई व दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा एक तेज रफ्तार कार के खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण हुआ। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना जैतसर थाना क्षेत्र के पांच जीबी पुलिया के पास हुई। अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की ओर जा रही टैक्सी कार एक ट्रक में जा टकराई।

जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर ट्रक में आग लगने से 40 से ज्यादा गैस सिलेंडर फटे, एक व्यक्ति जिंदा जला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर दूदू के पास मंगलवार रात टैंकर की टक्कर के बाद गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक में आग लग गई। इस घटना में 40 से ज्यादा सिलेंडर एक के बाद एक फट गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हादसे में टैंकर का चालक जिंदा जल गया और एक व्यक्ति घायल हो गया। जयपुर के जिलाधिकारी डॉ. जितेंद्र सोनी ने बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम की एक टीम ने सुरक्षा प्रोटोकॉल और व्यवस्था का पालन करते हुए बचे हुए सभी सिलेंडर हटा दिए हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इलाके के आसपास 42 सिलेंडरों के अवशेष या टुकड़े मिले। ये सभी फटे हुए सिलेंडर थे। 120 सिलेंडर सुरक्षित थे। हिंदुस्तान पेट्रोलियम की टीम ने सभी सुरक्षा उपायों और इलाके को सैनिटाइज करने के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए इन्हें वहां से हटा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार रात सिलेंडर ले जा रहा ट्रक सड़क किनारे एक ढाबे के बाहर खड़ा था। चालक खाना खाने गया था, तभी एक टैंकर ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टैंकर के केबिन में आग लग गई और सिलेंडर ट्रक से बाहर बिखर गए। आग लगते ही इलाके के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

कुछ ही देर बाद सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे। कुछ फटे सिलेंडरों के टुकड़े कई मीटर दूर पाए गए। आग की लपटें और धमाके कई किलोमीटर दूर से दिखाई और सुनाई दे रहे थे। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और राजमार्ग पर यातायात तुरंत रोक दिया गया। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा भी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पा लिया। पुलिस उपाधीक्षक (दूदू) दीपक खंडेलवाल ने कहा, घटना में टैंकर चालक जिंदा जल गया। एक अन्य व्यक्ति घायल है। उन्होंने कहा कि बाद में राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) का एक दस्ता राजमार्ग पर जांच के लिए वाहनों को रोक रहा था। रुकने से बचने के लिए टैंकर चालक ने अचानक अपनी लेन बदली तो वाहन अनियंत्रित हो गया और टक्कर हो गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि टक्कर के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में इसी राजमार्ग पर जयपुर के भांकरोटा के पास रसोई गैस टैंकर एक ट्रक से टकरा गया था। इस घटना में 19 लोगों की मौत हो गई थी।

वाहन चालक पर होती है वाहन और यात्रियों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : दक

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि स्टेट मोटर गैराज विभाग के वाहन चालक अपने कार्य में कुशल होते हैं एवं पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कर्मचारियों के छोटे से छोटे संवर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए भी तत्पर एवं संवेदनशील हैं। वाहन चालक संवर्ग की कुछ वाजिब समस्याएं हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर समाधान करवाने के प्रयास किए जाएंगे। दक बुधवार को अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ की राजस्थान स्टेट मोटर गैराज उप शाखा की नवनिर्वाचित

कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित कर रहे थे।

राजस्थान राज्य मोटर गैराज विभाग कार्यालय परिसर में आयोजित समारोह में दक ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रताप सिंह खुड़ी सहित पूरी कार्यकारिणी को पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल में संवर्ग और विभाग की मजबूती के लिए बेहतर तरीके से कार्य करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी नई उमंग और उत्साह के साथ कार्य करेगी।

मेघालय विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने किया राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण

जयपुर/दक्षिण भारत। मेघालय विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण किया। समिति के सदस्यों ने विधानसभा भवन को देखा और सदन की कार्यप्रणाली को जाना। परिसर में स्थापित डिजिटल म्यूजियम का भी अवलोकन किया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा सदन और भवन में किए नवाचारों, डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और सदन संचालन से जुड़ी आधुनिक पहलों के बारे में समिति को विस्तार से जानकारी दी गई।

मेघालय विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सदस्यों मेयरल बोर्न सियेम, श्रीमती मियानी डी. शिरा, रेमिंगटन जी. मोमिन, दमनबैत लामारे और गेब्रियल वाह्लांग ने इस अवसर पर मौजूद थे।

समिति के सदस्यों ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के नवाचार देश की अन्य विधानसभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

राहुल गांधी 'विदेशी नायक, ढोंगी' : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें ''विदेशी नायक और ढोंगी' करार दिया। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने इसी के साथ तेलंगाना में एक कांग्रेस नेता द्वारा ''वोट चोरी'' किए जाने के आरोप पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से जवाब मांगा।

भाजपा की प्रतिक्रिया तेलंगाना पुलिस द्वारा सोमवार को कांग्रेस नेता वी नवीन यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर आई है। यादव पर हैदराबाद के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में मतदाता पहचान पत्र वितरित करने का आरोप है, जहां 11 नवंबर को उपचुनाव होना है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर यादव के खिलाफ मधुरा नगर पुलिस थाने में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्ति करते हुए कांग्रेस पर उपचुनावों से पहले 'वोट चोरी' करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी से जवाब मांगा तथा उन्हें ''विदेशी नायक और ढोंगी''करार दिया। पूनावाला ने हैदराबाद में कांग्रेस के एक नेता के खिलाफ मामला दर्ज होने के मुद्दे को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। उनका इशारा भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ उनके ''वोट चोरी'' अभियान की ओर था। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि यादव ने राज्य में कांग्रेस सरकार की मशीनरी का दुरुपयोग करके ''फर्जी मतदाता पहचान पत्र'' जारी करवाए और आगामी उपचुनावों में 'वोट चोरी' के लिए मतदाताओं को ये पहचान पत्र दिए।

नीतीश कुमार ही राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरा: गिरिराज सिंह

पटना/भाषा। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुख्यमंत्री पद के चेहरा होंगे। उन्होंने राजग के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर किसी तरह के मतभेद की बात को खारिज करते हुए कहा कि इस पर बातचीत जारी है और जल्द ही अंतिम फार्मूला तय कर लिया जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए राजग का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं। राजग के भीतर सबकुछ ठीक है... विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे की प्रक्रिया चल रही है और अंतिम फार्मूला जल्द ही तय कर लिया जाएगा... जिसकी जानकारी आप सबको समय पर मिल जाएगी। उन्होंने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि महागठबंधन एक विभाजित घराना बन चुका है। सिंह ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मुख्यमंत्री पद के चेहरा हैं, महागठबंधन के नहीं। अब कांग्रेस नेतृत्व के इस बयान के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव चिंतित और भयभीत हैं... महागठबंधन का नेतृत्व अभी तक तय नहीं हुआ है। मैं इतना ही कहूंगा कि राजग की नीति, नेतृत्व और नीयत तीनों स्पष्ट हैं और इसमें कोई असंतोष नहीं है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

भदोही ने दुनिया का सबसे बड़ा हस्तनिर्मित कालीन बनाकर 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में जगह बनायी

भदोही (उप्र)/भाषा। भारत की कालीन नगरी भदोही ने दुनिया का सबसे बड़ा हस्तनिर्मित कालीन तैयार करके 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज कराया है। यह कालीन अब मध्य एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद – कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना स्थित ग्रैंड मस्जिद – की शोभा बढ़ा रहा है। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' ने अपनी वेबसाइट पर बताया, सबसे बड़ा हस्तनिर्मित कालीन 12,464.29 वर्ग मीटर (134,164 वर्ग फुट 72 वर्ग इंच) का है। कजाकिस्तान के अस्ताना के वास्ते इसे भारत के पटोदिया कॉन्ट्रैक्ट ने तैयार किया। इसकी (कालीन की) 19 सितंबर, 2025 को पुष्टि की गई। उसने कहा, हाथ से बुने हुए इस कालीन को भदोही में बड़ी बारीकी से तैयार किया गया है। भदोही कालीन बुनाई की अपनी समृद्ध परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। उसने कहा, 1,000 से ज़्यादा कुशल कारीगरों ने छह महीने से अधिक समय में यह कालीन तैयार किया। इस अद्भुत कालीन को बाद में अस्ताना की ग्रैंड मस्जिद में स्थापित किया गया। इसे स्थापित करने में 50 दिन लगे। 'मेसर्स पटोदिया कॉन्ट्रैक्ट' के मालिक रवि पटोदिया ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी कंपनी को जनवरी 2021 में 12 करोड़ रुपए मूल्य के इस विशाल कालीन के निर्माण का ऑर्डर मिला था, जिसकी समय सीमा छह महीने थी। उन्होंने कहा, हमने इस परियोजना को हासिल करने के लिए कई देशों के साथ प्रतिस्पर्धा की।

निर्मला सीतारमण एवं योगी ने किया अयोध्या में दक्षिण के तीन संतों की मूर्तियों का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का अद्भुत संगम बुधवार को अयोध्या की पावन भूमि पर देखने को मिला।

दो दिवसीय दौरे पर पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर दक्षिण भारत के तीन महान संगीत संतों त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों का बृहस्पति कुंड में अनावरण किया। टेढ़ी बाजार स्थित बृहस्पति कुंड का वातावरण उस समय भक्तिरस और संगीत की पवित्र भावना से सरोबार हो उठा जब केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर अनावरण समारोह की शुरुआत की। इस दौरान सीतारमण के माता-पिता भी मौजूद रहे, जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर पारंपरिक अयोध्या शैली में स्वागत किया। योगी ने कहा कि बृहस्पति कुंड केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है, जहां उत्तर भारत की श्रद्धा और दक्षिण भारत की भक्ति का संगम होता है। सीतारमण ने कहा कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। उन्होंने तीनों संतों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और भक्ति परंपरा को विश्व पटल पर स्थापित किया तथा उनके काव्य और रचनाओं ने समाज को प्रेम, भक्ति एवं एकता के सूत्र में पिरोया।

भाजपा सांसद और विधायक पर हमला सुनियोजित, मुख्यमंत्री बनर्जी इस्तीफा दें : सुकांत मजूमदार

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में छह अक्टूबर को उनकी पार्टी के सहयोगियों पर हुआ हमला ''हत्या का पूर्व नियोजित प्रयास'' था। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने नागराकाटा की घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। नागराकाटा में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर भीड़ ने उस समय हमला किया था जब वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने गए थे। भाजपा नेता ने कहा, ममता बनर्जी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहीं। उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मजूमदार ने दावा किया कि उनकी पार्टी के जनप्रतिनिधियों पर हमला विरोध की आवाज को दबाने के लिए किया गया था।

मणिपुर में 'जल जीवन मिशन' के तहत अनियमितता हुई, अदालत की निगरानी में जांच हो: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' के तहत मणिपुर में अनियमितता का आरोप लगाया और कहा कि इसकी अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए।

'इनर मणिपुर' से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ए. बिमल अकोइजम ने यह दावा भी किया कि उनके संसदीय क्षेत्र के किसी घर में नल से जल की आपूर्ति नहीं हो रही है। उनके आरोप पर जलशक्ति मंत्रालय की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अकोइजम ने संवाददाताओं से कहा, मणिपुर में जल जीवन मिशन में घोटाले का अंदेशा है। मैं 'दिशा' समिति की बैठक के दौरान इस पर नज़र रख रहा हूं। संसद के पिछले सत्र में मैंने मंत्री (सीआर पाटिल) महोदय से यह विवरण देने को कहा था कि कितने घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए हैं।

उनका कहना था, मंत्री द्वारा दिए गए उत्तर में बताया गया कि अगस्त 2019 में इस योजना के शुरू होने से पहले, मणिपुर में लगभग 26,000 (ग्रामीण परिवारों का 5.74 प्रतिशत) घरों में नल से जल के कनेक्शन थे। इस योजना के शुरू होने के बाद, नल से जल के कनेक्शन वाले अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों की संख्या बढ़कर 3,33,539 हो गई। इस प्रकार, 28 जुलाई 2025 तक, राज्य के 4,51,619 ग्रामीण परिवारों में से 3,59,459 (79.59 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों को नल से जल की आपूर्ति उपलब्ध है। कांग्रेस सांसद के अनुसार, मैंने जिलावार ब्यौरा और इन पर कितना धन खर्च किया गया, इस बारे में पूछा। मुझे बताया गया कि 1202 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया है, जिसमें से केंद्र का हिस्सा 1078.82 करोड़ रुपए और राज्य सरकार का हिस्सा 124.03 करोड़ रुपए है। उनका कहना था, मैं अपने क्षेत्र के जिस भी गांव का दौरा किया गया, वहां एक भी घर में नल से जल की आपूर्ति नहीं होने की जानकारी मिली। यह आधिकारिक दावों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस 'घोटाले' की अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए। अकोइजम ने कहा, मैंने मणिपुर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है। मैं चाहता हूं कि देश को पता चले कि मणिपुर में 'जल जीवन मिशन' के तहत इतना बड़ा घोटाला हो रहा है।

उप्र की अर्थव्यवस्था में काशी विश्वनाथ गलियारे का सवा लाख करोड़ का योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। काशी विश्वनाथ धाम गलियारे ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अनुमानित सवा लाख करोड़ रुपए का योगदान दिया है। एक बयान में यह जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2021 में काशी विश्वनाथ धाम गलियारे का लोकार्पण किया था। तब से अब तक करीब 25 करोड़ 28 लाख से अधिक श्रद्धालु, बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्र ने बयान में कहा, गलियारे के निर्माण ने न केवल काशी की छवि को बदला है, बल्कि पूरे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी अप्रत्याशित वृद्धि की है। देश के विभिन्न प्रांतों से लेकर दुनिया के तमाम देशों के श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लगातार बढ़ते आगमन से स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, नाविकों, पुजारियों, ठेले वालों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी) के अर्थशास्त्री प्रोफेसर राजनाथ ने कहा, काशी विश्वनाथ धाम में आने वाला एक पर्यटक औसतन पांच हजार रुपए से अधिक खर्च करता है। इसे चार या पांच हजार रुपए भी माना जाए तो इससे इन साढ़े तीन वर्षों में करीब सवा लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रवाह प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हुआ है। यह राशि न केवल काशी बल्कि पूरे पूर्वांचल के विकास की गति को तेज कर रही है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टकोण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन से काशी और आसपास के क्षेत्रों में लाखों लोगों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं। काशी विकास की नई मिसाल पेश कर समूचे देश के लिए एक मॉडल बन गया है।

सरकार बनी तो बिहार के एक भी घर में नहीं रहेगा बेरोजगार : तेजस्वी यादव

भागलपुर/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मंगलवार को दावा किया कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में एक भी घर में बेरोजगार नहीं रहेगा।

तेजस्वी ने भागलपुर जिले के कहलगांव विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, बिहार की जनता बदलाव चाहती है। इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी और बेरोजगारी एवं पलायन से मुक्ति मिलेगी। राजद नेता झारखंड के उद्योग मंत्री संजय यादव के पुत्र रजनीश यादव के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2020 में भी उन्होंने पहली चुनावी सभा कहलगांव से ही शुरू की थी और इस बार भी यहीं से शुरुआत कर रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम अवश्य दिखाई देगा। राजद नेता ने कहा, बिहार में बदलाव की जरूरत है। जनता हमें एक मौका दे। जो काम 20 साल में नहीं हुआ, उसे हम 20 महीने में कर दिखाएंगे। हमारी सरकार बनी तो बिहार के एक भी घर में बेरोजगार नहीं रहेगा।

अमित शाह 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की तरह व्यवहार कर रहे हैं, मोदी को सतर्क रहना चाहिए : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनके कामकाज का तरीका ''कार्यवाहक प्रधानमंत्री'' जैसा है।

बनर्जी ने बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित उत्तर बंगाल के दौरे से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करना चाहती हैं कि वह शाह पर बहुत अधिक भरोसा न करें, जो ''एक दिन उनके मीर जाफर बन सकते हैं। वह बंगाल के 18वीं सदी के सेनापति मीर जाफर का संदर्भ दे रही थी जिसने ऐतिहासिक प्लासी के युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला को धोखा दिया था और अंग्रेजों के साथ मिल गया था। बाद में वह अंग्रेजों की मदद से बंगाल का शासक बना।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं पर चुनाव वाले राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, उनके (भाजपा के)एक नेता बैठक करते हैं और यहां आकर कहते हैं कि वह बंगाल की मतदाता सूची से कई लाख नाम हटा देंगे। मुझे बताइए, हम इस समय प्राकृतिक आपदाओं, भारी बारिश, त्योहारों आदि से जूझ रहे हैं। क्या मौजूदा परिस्थितियों में एसआईआर प्रक्रिया एक पखवाड़े के भीतर पूरी हो सकती है और क्या उस अवधि में नए नाम अपलोड किए जा सकते हैं?'' उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग को भाजपा पार्टी के इशारे पर काम करना चाहिए या उसे लोगों के लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकारों के हित में काम करना चाहिए? तृणमूल अध्यक्ष ने आरोप लगाया, यह सब अमित शाह द्वारा खेला गया खेल है। वह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वह इस देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री हों। लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि प्रधानमंत्री को सब कुछ पता है। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री से अनुरोध कर सकते हैं कि अमित शाह पर हमेशा भरोसा न करें। एक दिन वह आपके सबसे बड़े मीर जाफर साबित होंगे। आपके पास समय है, सतर्क रहें क्योंकि सुबह ही दिन दिखाती है।

बिहार में सीट बंटवारे का मुद्दा सुलझा लिया जाएगा: खरगे

बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के मुद्दे को ''सुलझा लिए जाने' की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं की एक बैठक (सीईसी) आज दोपहर बाद होगी, जिसमें वह डिजिटल माध्यम से शामिल होंगे।

बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में गतिरोध से संबंधित एक सवाल के जवाब में खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम इसे सुलझाने जा रहे हैं। आज दोपहर 2.30 बजे एक बैठक है। मैं भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हो रहा हूं। हम इसे सुलझा रहे हैं...। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उन्होंने कहा, हम अभी यह नहीं बताएंगे कि हमने कितनी सीटें तय की हैं। आज की बैठक में हम उन सीटों पर चर्चा करेंगे जिन पर हमें समझौता करना होगा और जिन पर कोई मतभेद नहीं है। दोपहर बाद पता चलेगा कि कितनी सीटों पर आज फैसला होगा और कितनी सीटों पर कल। खरगे को पिछले हफ्ते अस्पताल से छुट्टी मिली थी और उसके बाद मीडिया के साथ उनकी पहली बातचीत थी। अस्पताल में उन्हें पेसमेकर लगाया गया था। निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को बिहार में विस चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया।

खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लिए 'सोयाबीन बीज क्रांति' की जरूरत : संगठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मप्र)/भाषा। प्रसंस्करणकर्ताओं के एक संगठन ने बुधवार को कहा कि खाद्य तेलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के लिए देश में सोयाबीन उगाने वाले कम से कम 70 प्रतिशत किसानों तक उन्नत बीज पहुंचाए जाने की जरूरत है।

इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के चेयरमैन डेविश जैन ने यहां अंतरराष्ट्रीय सोयाबीन अधिवेशन के दौरान संवाददाताओं को बताया कि वर्तमान में भारत की सोयाबीन उत्पादकता औसतन 1.10 टन प्रति हेक्टेयर के आसपास है जो 2.60 टन प्रति हेक्टेयर के वैश्विक औसत से काफी कम है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता को लेकर भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मद्देनजर सोपा ने अगले पांच वर्षों में देश की सोयाबीन उत्पादकता को बढ़ाकर दो टन प्रति हेक्टेयर तक पहुंचाने का खाका तैयार किया है।

जैन ने देश में 'सोयाबीन बीज क्रांति' का आह्वान करते हुए कहा, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी है कि कम से कम 70 प्रतिशत किसानों को सोयाबीन के उन्नत बीज उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने मांग की कि सरकार तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए 2026 को 'सोयाबीन वर्ष' घोषित करे। जैन ने बताया कि भारत अपनी कुल खाद्य तेल आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक आयात करता है जिस पर हर साल लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों के आयात पर देश की निर्भरता साल-दर-साल बढ़ती जा रही है और इस निर्भरता को कम करने का सबसे टिकाऊ उपाय घरेलू उत्पादन बढ़ाना है।

जडेजा से प्रेरित हर्ष दुबे भारत के लिए खेलना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रणजी ट्रॉफी में एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और रविंद्र जडेजा के प्रशंसक हर्ष दुबे भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं लेकिन विदर्भ के इस स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर को राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की कोई जल्दी नहीं है।

दुबे ने पिछले सत्र में भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में बिहार के आशुतोष अमन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और सत्र में सबसे अधिक 69 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। दुबे इस साल की शुरुआत में भारत ए के इंग्लैंड दौरे का हिस्सा थे लेकिन उनका कहना है कि हर सत्र में सुधार करना उनके लिए सबसे जरूरी है क्योंकि वह राष्ट्रीय टीम के लिए जडेजा की उपलब्धियों को दोहराना चाहते हैं।

दुबे ने मंगलवार को सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स में मीडिया से कहा, जब से मैंने क्रिकेट को समझना शुरू किया है तब से मैं रविंद्र जडेजा का अनुसरण कर रहा हूं और जब मैंने क्रिकेट को ठीक से समझना शुरू किया तो उनका प्रदर्शन अपने चरम पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, मैं बचपन से ही उन्हें आदर्श मानता रहा हूं लेकिन उससे पहले मैं युवराज (सिंह) सर और सचिन (तेंदुलकर) सर को अपना आदर्श मानता था। दुबे ने कहा, मेरा ध्यान हमेशा इस बात पर रहता है कि मैं पूरे सत्र में क्या गलतियां कर रहा हूं और फिर मैं उन्हें कैसे सुधार सकता हूं और अगले सत्र में कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं।

पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले 23 वर्षीय दुबे ने कहा कि लाल गेंद का क्रिकेट उनका पसंदीदा प्रारूप है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लाल गेंद (क्रिकेट) सबसे अधिक पसंद है लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे सफेद गेंद (प्रारूप) पसंद नहीं है। मेरे लिए भारत के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। पिछले रणजी सत्र में पांच अर्धशतक के साथ 476 रन बनाने वाले दुबे ने कहा कि वह ऑफ-सत्र के दौरान एक बल्लेबाज के रूप में बेहतर होने के लिए और अधिक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने क्रिकेट की शुरुआत एक सलामी बल्लेबाज के रूप में की थी इसलिए मैं ऑफ सत्र में अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत करता हूं। बाएं हाथ के स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर होने के नाते दुबे को मानव सुतार जैसे खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा लेकिन वह इसे अधिक तवज्जो नहीं देते।

वेस्टइंडीज टेस्ट क्रिकेट का पतन 'कैंसर' है जो बरसों पहले शुरू हुआ : सैमी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने कहा कि वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट का पतन व्यवस्था का 'कैंसर' है जिसकी शुरुआत काफी पहले हो गई थी। दो बार के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि प्रदर्शन के दम पर अगली पीढी के लिए छोटे प्रारूप के कई रोल मॉडल है और संसाधन उपलब्ध होने पर ही वे खेल सकते हैं। यह पूछने पर कि वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में क्या दिक्कत है और उन्हें इसे लेकर कैसा महसूस होता है, सैमी ने कहा, आखिरी बार हमने यहां टेस्ट शृंखला 1983 में जीती थी जब मैं पैदा हुआ था। वेस्टइंडीज ने पिछले 42 साल में भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। सैमी ने कहा, मुझे पता है कि मुझ पर नजरें होंगी। हम आलोचना से कतराते नहीं हैं लेकिन समस्या की जड़ दो साल पुरानी नहीं है। यह बहुत पहले शुरू हो गया था। उन्होंने कहा, यह कैंसर की तरह है जो व्यवस्था में पहले से था। अगर आपको कैंसर नहीं होता, तो आपको पता है कि क्या होता है। यह स्तन कैंसर जागरूकता का महीना है।

सुविचार

हमने स्कूल में जो सीखा है वह सब भूलने के बाद जो याद रहता है, वही शिक्षा है। ज्ञान का निवेश सर्वोत्तम भुगतान करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाक को करें बेनकाब

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने पाकिस्तान की खूब पोल खोली है। इस पड़ोसी देश की असलियत सामने लाने के लिए ऐसे ही शब्दों का प्रयोग होना चाहिए। अपने लोगों पर बम बरसाने वाला और संगठित नरसंहार करने वाला पाकिस्तान बहुत ही निर्लज्जता से भारत पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाता है। कई देश उसके इस दुष्प्रचार पर विश्वास कर लेते हैं। इसकी एक वजह यह है कि भारत की ओर से पाकिस्तान की असलियत सामने लाने की कोशिशों में कमियां रही हैं। अगर पिछली सरकारों ने इस ओर ध्यान दिया होता तो आज पाकिस्तान पूरी तरह अलग-थलग रहता। पश्चिमी देशों की जो सरकारें और कथित थिंक टैंक भारत की आलोचना करने के लिए मौका ढूंढ़ते रहते हैं, उन्हें पता ही नहीं कि पाकिस्तान में क्या चल रहा है! यह देश कोई मंच पाते ही कश्मीर राग छेड़ देता है। इसने पीओके की जो दुर्दशा कर रखी है, उसका शायद ही कभी जिक्र होता है। पाकिस्तानी फौज ने पूर्वी पाकिस्तान (मौजूदा बांग्लादेश) में लाखों महिलाओं से दुष्कर्म किया था। आज यही घृणित कृत्य बलोचिस्तान में हो रहा है। हजारों बलोच वर्षों से लापता हैं। वे कहां गए? स्थानीय लोगों का दृढ़ विश्वास है कि पाकिस्तानी फौज उनकी हत्या कर चुकी है। कई लोग ऐसे आरोप लगा चुके हैं कि फौज उनके युवाओं की आंखों पर पट्टियां बांधकर उड़ते हेलीकॉप्टर से नीचे धकेल देती है। यही नहीं, जिन युवाओं को अगवा करने के बाद खत्म कर दिया जाता है, उन्हें किसी गुमनाम कब्र में दफना दिया जाता है। क्या पश्चिमी मीडिया कभी ये खबरें दिखाता है? भारतीय मीडिया का कर्तव्य है कि वह इन खबरों को प्रमुखता से स्थान दे। खासकर अंग्रेजी मीडिया को इस पर विस्तृत रिपोर्टें जारी करनी चाहिएं।

बलोचिस्तान में बहुत बड़े स्तर पर जुल्म-ज्यादती का 'खेल' चल रहा है। कोई पाकिस्तानी पत्रकार वहां जाकर आंखोंदेखा हाल नहीं दिखा सकता। जो इतनी हिम्मत करता है, वह अपने लिए मुसीबतों को न्योता देता है। हाल में पाकिस्तानी वायुसेना ने केपीके के मत्रे दारा गांव पर देर रात बम बरसाए थे, जिससे दर्जनों लोग मारे गए थे। उनमें कई महिलाएं और बच्चे भी थे। अपने सोते हुए नागरिकों पर बम कौन बरसाता है? क्या यह मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? क्या हर घटना पर 'करीब से नजर' बनाए रखने का दावा करने वाला अमेरिका इससे अनजान है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की पीठ थपथपा रहे हैं! वे शांति का नोबेल पुरस्कार पाने के लिए ऐसे लोगों की हिमायत हासिल करना चाहते हैं, जिनके हाथ निर्दोषों के खून से रंगे हुए हैं! हाल के वर्षों में पाकिस्तानी फौज ने विभिन्न अवसरों पर मुठभेड़ से संबंधित आंकड़े जारी कर दावा किया था कि उनमें कई आतंकवादियों का खात्मा किया गया है। हालांकि इन आंकड़ों पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसा आरोप लगाया जाता है कि मुठभेड़ों में फौज द्वारा आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता है। कुछ साल पहले एक मुठभेड़ में मारे गए कथित आतंकवादियों के बारे में खुलासा हुआ था कि वे बलोच मजदूर थे, जो सुबह काम पर निकले थे। पाकिस्तानी फौज ने उन्हें रास्ते से उठाया और बाद में आतंकवादी बताकर मार गिराया। फौज का दावा था कि उन लोगों ने घात लगाकर जवानों की ओर गोलीबारी की थी, जिसका जवाब दिया गया था। वहीं, शवों पर गोलियों के निशान ऐसे थे, जिन्हें देखकर पता लगाया जा सकता था कि उन्हें बहुत नजदीक लाकर गोलियां मारी गई थीं। ऐसी ख़बरों का विभिन्न विदेशी भाषाओं में अनुवाद कर संबंधित दूतावासों को भेजना चाहिए। पाकिस्तान के कुकृत्यों पर लगा नकाब उतारने में देर नहीं करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और जीतेगी। प्रत्याशी चयन के लिए स्थानीय स्तर से फीडबैक और रायशुमारी करके जल्द ही उपयुक्त नामों का पैनल भेजा जाएगा, जिस पर पार्टी हाईकमान फैसला करेगा।

-गोविंद सिंह डोटासरा

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 9वें त्रिवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन में एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता , सह संगठन मंत्री जी. लक्ष्मण एवं महामंत्री प्रो. गीता भट्ट व जयपुर की महापौर श्रीमती सौम्या गूजर के साथ सम्मिलित हुआ।

-सुधांशु त्रिवेदी

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में लगी आग की घटना अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में लोगों के असमय निधन की सूचना व्यथित करने वाली है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और परिजनों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मन विजय से मुक्ति

एक बार अग्निवेश ने आचार्य पुनर्वसु आत्रेय से पूछा, 'जब मनुष्य मर जाता है तो उसकी चेतना कहां चली जाती है और जीवित रहते हुए मन, इन्द्रियों और आत्मा का आपसी संबंध क्या है।' ऋषि आत्रेय ने कहा, 'मन अपने आप में अचेतन है, यह केवल साधन है। आत्मा ही इसे चेतना प्रदान करती है और कार्य कराने में सक्षम बनाती है। जीवित अवस्था में जब आत्मा शरीर में स्थित होती है तब प्राण का संचार, मन की गति, इन्द्रियों का अनुभव, इच्छा-द्वेष, सुख-दुःख, स्मृति और बुद्धि जैसे लक्षण प्रकट होते हैं।' अग्निवेश ने प्रश्न किया, 'मृत्यु के बाद क्या होता है।' आत्रेय ने कहा, 'मृत्यु के बाद शरीर मात्र पंचभूतों का ढेर रह जाता है, जैसे दीपक बुझने पर दीपशाला अंधकारमय हो जाती है।' अग्निवेश ने पूछा, 'यदि ईश्वर है तो आत्मा कभी पापयुक्त योनि में क्यों जन्म लेती है।' आत्रेय बोले, 'आत्मा को कोई बाहर से प्रेरित नहीं करता, उसके अपने ही कर्म उसे खींचकर अनिष्ट योनियों तक ले जाते हैं। धर्म उसे ऊर्ध्वगति देता है और अधर्म नीच योनियों में गिराता है। यही आत्मा की स्वतंत्रता है। कर्म का चयन करना, पर परिणामस्वरूप फल भोगना अनिवार्य हो जाता है।'

सामयिक

मानसिक स्वास्थ्य है रोगमुक्त जीवन की मुस्कान

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जीवन को एकांगी बनाया जा रहा है। इससे बहुत भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। मन की चंचलता का तो ज्यादा से ज्यादा इंतजाम किया जा रहा है, पर उसे स्थिर बनाने का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। समस्या स्थिरता में नहीं, चंचलता में होती है। बाहर का खोल जितना भी मजबूत हो, भीतर को साधे बिना चंचलता कम नहीं होती। ये भीतर की गांठें देर-सबेर उलझा ही देती हैं। आज आवश्यकता है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता समझें।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर वर्ष हमें यह सोचने का अवसर देता है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धन उसका मन है, और जब मन अस्वस्थ होता है तो समूचा जीवन बिखर जाता है। इस वर्ष की थीम है संकट और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना। यह थीम प्राकृतिक आपदाओं या अन्य आपात स्थितियों के दौरान लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, जो मानसिक स्वास्थ्य समर्थन तक पहुंच की बाधाओं को दूर करने और संकटग्रस्त लोगों के लिए प्रभावी सहायता तंत्र स्थापित करने के महत्व को रेखांकित करती है। आज दुनिया ऐसी परिस्थितियों से गुजर रही है जहाँ महामारी, युद्ध, आर्थिक संकट, सामाजिक अस्थिरता, बेरोजगारी और जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाएँ लगातार मनुष्य के मन पर चोट कर रही हैं। इन आपदाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य की समस्या एक मौन महामारी बन गई है। भारत में यह चुनौती और भी बड़ी है क्योंकि यहाँ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कम है और कलंक अधिक। मानसिक स्वास्थ्य दिवस सभी के लिए है-यह वर्ष के 365 दिन महत्वपूर्ण है, लेकिन 10 अक्टूबर दुनिया भर के सभी लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने हेतु एकजुट होने का एक अवसर है। यह सभी को अधिक समझ और सहानुभूति के माध्यम से अपने और दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज का युग आभासी दुनिया का युग है। मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल साधनों ने हमारे जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। आभासी संबंधों ने संवाद के नए मार्ग खोले हैं, परंतु भावनाओं की सच्चाई को खोखला कर दिया है। हम हर समय आभासी दुनिया से जुड़े रहते हैं, लेकिन भीतर से अत्यंत अकेले हो गए हैं। दूसरों के सुख और सफलता के प्रदर्शन से तुलना और हीनता की भावना बढ़ती जा रही है। इस निरंतर प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन ने लोगों के मन में चिंता, अवसाद और असंतोष को गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया का अति प्रयोग मनुष्य को कल्पना और भ्रम की दुनिया में धकेल रहा है, जहाँ असली जीवन की सादगी और आत्मीयता खोती जा रही है। युवा पीढ़ी सबसे अधिक मानसिक दबाव में है। प्रतिस्पर्धा, परीक्षा, करियर और परिवार की अपेक्षाएँ उन्हें उस स्तर तक पहुँचा रही हैं जहाँ असफलता आत्मघाती कदमों में बदलने लगी है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या करने वालों में सबसे बड़ी संख्या किशोरों और युवाओं की है। वे जीवन से नहीं, अपनी असफलता से भागना चाहते हैं, परंतु संवादहीनता, समझ की कमी और मानसिक परामर्श की अनुपलब्धता उन्हें अंधकार की ओर धकेल देती है। युवा जीवन में ऊर्जा और आशा के प्रतीक हैं, लेकिन जब उन पर अपेक्षाओं का बोझ हावी हो जाता है, तब वही ऊर्जा विनाशकारी रूप ले लेती है। परिवार और समाज को चाहिए कि वे उन्हें समझें, संवाद करें, उनके मन की सुनें, और उन्हें यह विश्वास दें कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने का अवसर है।

महिलाओं की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियों, सामाजिक बंधनों और लैंगिक भेदभाव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहरे रूप से प्रभावित किया है। घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और सामाजिक असमानता की स्थितियाँ उन्हें भीतर से तोड़ देती हैं। फिर भी वे समाज की धुरी बनी रहती हैं। उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना, उनके लिए सुरक्षित वातावरण और परामर्श की सुविधाएँ उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब महिलाएँ स्वस्थ और संतुलित मन से कार्य करेंगी, तभी समाज स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ सकेगा। इसी तरह वृद्धों का जीवन भी मानसिक स्वास्थ्य के मामले में अधिक जटिल होता जा रहा है। आत्महत्या की बढ़ती घटनाएँ एक चेतावनी हैं कि हम किसी बड़ी भूल के शिकार हैं। यह केवल व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज का दर्पण है। जब कोई व्यक्ति यह मानने लगता है कि अब उसके जीवन का कोई अर्थ नहीं बचा, तब उसकी आत्मा में आशा का दीप बुझ जाता है। उसे बचाने के लिए आवश्यक है कि हम उसके पास जाएँ, उसकी बात सुनें, उसे यह एहसास दिलाएँ कि वह अकेला नहीं है। समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान और सरकार सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ निराश व्यक्ति के लिए तुरंत सहायता उपलब्ध हो। मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ गाँव-गाँव तक पहुँचें, स्कूलों और कार्यस्थलों में परामर्श केंद्र स्थापित हों, यह समय की पुकार है।

नशा मानसिक अस्वास्थ्य का सबसे बड़ा सहचर बन चुका है। शराब, तंबाकू, मादक पदार्थ, यहाँ तक कि दवाओं के दुरुपयोग ने मनुष्य की चेतना को कुंद कर दिया है। नशा अस्थायी आनंद देता है, परंतु दीर्घकालिक विनाश का कारण बनता है। यह व्यक्ति की आत्मनियंत्रण शक्ति को नष्ट कर देता है, निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और अवसाद तथा आत्महत्या की प्रवृत्ति को बढ़ाता है। नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति समाज से कट जाता है और उसकी आत्मा में एक गहरा शून्य भर जाता है। इस समस्या का समाधान केवल दंड से नहीं, बल्कि संवेदनशील पुनर्वास और मानसिक परामर्श से संभव है। समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति शिक्षित करना और युवाओं को इसके जाल से बचाना हर घर की जिम्मेदारी होनी चाहिए। मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे व्यक्ति को सबसे पहले आवश्यकता होती है आशा की। निराशा की अंधेरी सुरंग में यदि कोई हाथ थाम ले, यदि कोई मुस्कान दे दे, यदि कोई कह दे कि सब ठीक हो जाएगा, तो वही वाक्य जीवनदान बन सकता है। आत्महत्या की रोकथाम का आरंभ संवेदनशील संवाद से होता है। हमें अपने बच्चों, मित्रों, सहकर्मियों और परिवारजनों से यह रिश्ता बनाना होगा कि वे अपने मन की बात कह सकें, बिना किसी भय या लज्जा के।

आज का हर व्यक्ति तनावग्रस्त है। तनाव उनको होता है, जो निरंतर मन, वाणी और शरीर की प्रवृत्ति में लगे रहते हैं, विश्राम नहीं करते। यानी कि आज की भाषा में जो बिजी' रहते हैं। बिजी रहने की इस आदत ने जीवन में बहुत टेंशन पैदा किए हैं। जीवन में बिजी के साथ ईजी होना जरूरी है क्योंकि एक पहिए से रथ नहीं चलता। उसके लिए दोनों पहिए चाहिए। ज्ञान और ध्यान, काम और आराम- ये जीवन रूपी रथ के दो पहिए हैं। एक पहिए को निकाल देंगे तो रथ नहीं चलेगा। आज यही तो समस्या है और यही मानसिक अस्वास्थ्य की जड़ है।

जीवन को एकांगी बनाया जा रहा है। इससे बहुत भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। मन की चंचलता का तो ज्यादा से ज्यादा इंतजाम किया जा रहा है, पर उसे स्थिर बनाने का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। समस्या स्थिरता में नहीं, चंचलता में होती है। बाहर का खोल जितना भी मजबूत हो, भीतर को साधे बिना चंचलता कम नहीं होती। ये भीतर की गांठें देर-सबेर उलझा ही देती हैं। आज आवश्यकता है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता समझें। शरीर की बीमारी के लिए जैसे हम डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन की पीड़ा के लिए भी विशेषज्ञ सहायता लेना सामान्य बने। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को विद्यालयों में जोड़ा जाए, परामर्श केंद्रों को सशक्त किया जाए, और हर नागरिक को यह संदेश दिया जाए कि सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि चेतना का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज का आधार है। हमें निराशा से आशा की ओर, अकेलेपन से अपनत्व की ओर और अस्वस्थता से संतुलन की ओर बढ़ना है। मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत उसका मन है, और जब मन शांत, स्थिर और प्रसन्न होगा, तभी जीवन भी सुंदर होगा। इसलिए आइए, हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने और दूसरों के मन की सेहत का ध्यान रखेंगे, संवाद करेंगे, सहयोग करेंगे और हर उस व्यक्ति के लिए आशा का दीप जलाएँगे जो अंधेरे में भटक रहा है। यही इस दिवस का सच्चा संदेश और जीवन का शाश्वत सार है।

नजरिया

विश्व डाक दिवस

लेटर बॉक्स से इंटरनेट तक का सुनहरा सफ़र

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

कुछ वर्ष पहले इसकी सबसे महत्वपूर्ण सेवा डाकतार सेवा को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। भारत की डाक सेवा में एक खास बात यह है कि यहां एक खास तरह का पिन कोड होता है। यह पिन कोड 6 नंबरों का होता है। पिन कोड पोस्ट ऑफिस का नंबर होता है। इसकी मदद से ही हम तक चिट्ठियां पहुंच पाती हैं। यह हम सबके लिए यह गर्व करने वाली बात है कि भारत की डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी डाक सेवा है।

विश्व डाक दिवस हर साल 9 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम विश्वास के लिए एक साथ: एक सुरक्षित और जुड़े भविष्य के लिए सहयोग रखी गई है। इस दिवस की शुरुआत 1969 में हुई थी, उसी साल पहला विश्व डाक दिवस मनाया गया था। तभी से हर साल इसे 9 अक्टूबर के दिन मनाया जाता है। भारत में विश्व डाक दिवस के अवसर पर 9 अक्टूबर से लेकर 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह आयोजित किया जाता है। आज हम एक बार फिर अपनी डाक सेवाओं के सुनहरे सफर को याद कर गौरवान्वित हो रहे है। हम ऐसे दौर में विश्व डाक दिवस मना रहे है जब आज का युवा डाकिये को नहीं जानता। उसे नहीं मालूम की कभी डाकिया पैदल चलकर घर घर डाक बांटता था। आज युवा ने पैदल चलना नहीं सीखा इसीलिए उसे यह पता नहीं है की पैदल चलकर भी कोई सरकारी काम होता था। युवा ने कभी पोस्टकार्ड नहीं देखा। मंनिआर्डर का भी उसे मालूम नहीं है। वह पैसे या सन्देश का आदान प्रदान मोबाइल से आधुनिक माध्यम से करता है। फिर भी हम अपनी पुरानी व्यवस्था को धरोहर के रूप में हर साल याद करते है। डाक सेवाओं की हमारी पुरानी परम्परा है। आज के युवा वर्ग को छोड़ दे तो दुनिया भर में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जिसका कभी डाक सेवाओं से पाला न पड़ा हो। यह अचरज की बात है कि एक देश में पोस्ट किया हुआ पत्र दुनिया के दूसरे कोनों में आराम से पहुँच जाता है। डाक सेवाओं के संगठन रूप में उद्भव के साथ ही इस बात की जरूरत महसूस की गई कि दुनिया भर में एक ऐसा संगठन होना चाहिए, जो यह सुनिश्चित करे कि सभी देशों के मध्य पत्रों का आवागमन सहज रूप में हो सके और आवश्यकतानुसार इसके लिए नियम-कानून बनाये जा सकें।

डाक सेवाओं का देश और दुनियां के इतिहास में निश्चय ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। प्राचीन काल से ही संचार का यह एक सशक्त माध्यम रहा है और समाज के विकास में इसका योगदान अविस्मरणीय है। डेढ़ लाख से अधिक डाकघरों का भारत में दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है, इसके बावजूद संचार के नवीनतम साधनों के उपयोग की दृष्टि से यह बहुत पिछड़ गया। अब यह दिवस रश्मि हो गया है क्योंकि न तो डाकिया घर घर आता है और न ही डाक के दर्शन होते है। अब कहीं भी डाकिया डाक बांटते दिखाई नहीं देता। वर्षों पुरानी घर घर डाक बांटने की परम्पराएं अब ध्वस्त हो गई है। हमने भी खुद को ज़माने के अनुरूप डाल लिया है। जब इंटरनेट सुविधा का विस्तार हुआ है हम ने डाक व्यवस्था से तौबा करली है। सारे काम इंटरनेट से जुडी सुविधाओं के माध्यम से हो रहे है। फोन, ईमेल से लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान किया जाता है। व्हाटसएप से घर बैठे बात हो जाती है तो डाक की जरुरत कहाँ रह गई। आज आवश्यकता इस बात की है कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा।

भारतीय डाक सेवा ने 1 अक्टूबर 2025 को अपने सफर के 176 वर्ष पूरे कर लिए है। डाक व्यवस्था शुरू होते ही हर शहर और गांव में पोस्ट ऑफिस बनाए गए। बाद में तो इन पोस्ट ऑफिसों में चिट्ठियों को संभालने के साथ-साथ लोगों के पैसों को भी जमा करने का काम किया जानेलगा। कभी-कभी यह बैंक का काम भी करता हैं। अब तो सरकार भी इसे बैंक के रूप में स्थापित करने की योजना बना रही है। चिट्ठियों का प्रचलन कम होने के साथ इनके कामों में भी कमी आई है ऐसे में इन्हें अन्य कामों में भी शामिल किया जा रहा है। डाक विभाग ने समय के अनुसार बदलाव करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में ब्रिटिशकाल में वर्ष 1854 में शुरू हुई रजिस्ट्री सेवा को स्पीड पोस्ट में मर्ज कर दिया है। एक अक्तूबर से केवल स्पीड पोस्ट की ही सुविधा उपलब्ध है। कुछ वर्ष पहले इसकी सबसे महत्वपूर्ण सेवा डाकतार सेवा को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। भारत की डाक सेवा में एक खास बात यह है कि यहां एक खास तरह का पिन कोड होता है। यह पिन कोड 6 नंबरों का होता है। पिन कोड पोस्ट ऑफिस का नंबर होता है। इसकी मदद से ही हम तक चिट्ठियां पहुंच पाती हैं। यह हम सबके लिए यह गर्व करने वाली बात है कि भारत की डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी डाक सेवा है। साथ ही दुनिया में सबसे ऊंचाई पर बना पोस्ट ऑफिस भी भारत में ही है जो हिमाचल प्रदेश के हिक्किम में स्थित है। कबूतर से लेकर कम्प्यूटर तक डाक सेवाओं ने एक लम्बा सफर तय किया है। वर्तमान में सूचना एवं संचार क्रान्ति के चलते डाक व्यवस्था अवरुद्ध हुई है। जबसे निजी क्षेत्र में कोरियर सेवा का प्रारंभ हुआ तब से डाक विभाग की सेवाएं मंद हुई है। इसके बाद इंटरनेट के आने के बाद सूचना आदान प्रदान की सेवाएं द्रुत गति से परवान चढ़ी फलस्वरूप डाक विभाग का कार्य धीमी गति का बुलेटिन हो गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत के साथ युद्ध की संभावना वास्तविक है : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि ''भारत के साथ युद्ध की संभावनाएं वास्तविक हैं'' और दावा किया कि भविष्य में किसी भी सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में उनका देश और भी बड़ी सफलता हासिल करेगा। आसिफ ने यह टिप्पणी मंगलवार को 'समा टीवी' को दिए एक साक्षात्कार में की, जब एंकर ने उनसे भारतीय राजनेताओं और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के हालिया बयानों के बारे में पूछा।

मंत्री ने कहा कि सशस्त्र टकराव का खतरा है तथा पाकिस्तान सतर्क है और स्थिति पर नजर रख रहा है।

एक सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा, भारत के साथ युद्ध की संभावनाएं वास्तविक हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान को अधिक अनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है।

आसिफ ने कहा, मैं तनाव नहीं बढ़ाना चाहता, लेकिन जोखिम वास्तविक हैं, और मैं इससे इनकार नहीं कर रहा। अगर युद्ध की नौबत आई, तो ईश्वर की कृपा से हम पहले से बेहतर परिणाम प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के समर्थक और सहयोगी छह महीने पहले की तुलना में अब ज्यादा हैं, जबकि दावा किया कि भारत ने उन देशों का भी समर्थन खो दिया है जो मई में हुए संघर्ष से पहले उसके पक्ष में थे।

हालांकि, आसिफ ने इस श्रेणी में किसी भी देश का नाम लेने से परहेज किया।

आसिफ ने यह भी दावा किया कि मुगल बादशाह औरंगजेब के शासनकाल को छोड़कर, भारत कभी भी एकजुट राष्ट्र नहीं था और पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बनाया गया था और मई में हुए संघर्ष के दौरान कई आंतरिक मुद्दों के बावजूद वह एकजुट रहा। उन्होंने कहा, घर में हम बहस करते हैं और प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारत के साथ लड़ाई में हम एकजुट होते हैं।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है तो उसे सरकार प्रायोजित आतंकवाद का समर्थन करना बंद करना होगा।

इसके अलावा, एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय हमलों में अमेरिकी एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए।

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले के बाद शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर की 'संयम' की बात

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ जारी है। मंगलवार को एक्ट्रेस से आर्थिक अपराध शाखा ने चार घंटे तक पूछताछ की है। ये पूछताछ एक्ट्रेस के घर पर की गई, लेकिन अब लगता है कि इस मुश्किल समय में उन्होंने खुद पर संयम पाने का तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने फेमस मार्शल आर्टिस्ट ब्रूस ली का 'कोट शेयर किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वे इमोशनल वीकनेस की बात कर रही हैं। कोट में लिखा है, अगर आप हर बात पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो आप लगातार कष्ट झेलते रहेंगे। सच्ची शक्ति चुपचाप बैठकर तर्क के साथ चीज़ों को देखना है, यही सच्ची शक्ति संयम है। अगर शब्द आपको नियंत्रित करते हैं, तो इसका मतलब है कि बाकी सभी आपको नियंत्रित कर सकते हैं सांस लें और चीज़ों को गुज़रने दें।

कोट से साफ है कि एक्ट्रेस 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले से काफी परेशान हैं, लेकिन धैर्य से मामले को संभालने की कोशिश कर रही हैं। बता दें कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के अलावा और तीन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले राज कुंद्रा का भी बयान दर्ज किया गया।

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा था कि एक्ट्रेस ने कंपनी का विस्तार करने के लिए 75 करोड़ का लोन लिया था लेकिन ब्याज की दरों को देखते हुए इसे निजी निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। उन्होंने कोठारी को विश्वास दिलाया कि वे हर महीने ब्याज की रकम भरेंगी, लेकिन शिल्पा ने वो पैसे बिजनेस में न लगाकर निजी तौर पर खर्च किए और फिर बाद में कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। व्यवसायी दीपक कोठारी ने कई बार एक्ट्रेस से पैसे वापस देने की मांग की लेकिन कोई जवाब नहीं आया है और उन्होंने दंपत्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया।

विरोध

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर सबरीमाला मंदिर में 'द्वारपालक' मूर्तियों पर स्वर्ण-लेपन में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आधिकारिक आवास की ओर एक विरोध मार्च के दौरान बोलते हुए।

शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बुधवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और कई अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। न्यायाधिकरण ने यह कार्यवाही अवामी लीग शासन के दौरान कथित तौर पर लोगों को जबरन गायब करने और मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप में की है।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) पीठ ने दो अलग-अलग मामलों में दायर आरोपों पर संज्ञान लिया। बीडीन्यूज24 समाचार पोर्टल की खबर के मुताबिक इन मामलों में हसीना और 29 अन्य पर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संचालित गुप्त प्रतिष्ठानों में राजनीतिक विरोधियों को हिरासत में लेने, यातना देने और गायब करने का आरोप लगाया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

अभिनेता ऋषभ शेट्टी (बीच में), अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी (दाएँ तीसरे) और अभिनेता गुलशन देवैया (बाएँ दूसरे), जयराम (बाएँ तीसरे) और अन्य के साथ बुधवार को नई दिल्ली में फिल्म 'कंतारा ए लीजेंड: चैप्टर 1' के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

बांग्ला फिल्म अभिनेता उत्तर बंगाल में आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आए

कोलकाता/भाषा

उत्तर बंगाल के आपदा प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता का संकल्प लेते हुए, बंगाल फिल्म उद्योग ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए धन जुटाने का निर्णय लिया है। अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी और देव ने मंगलवार को कहा कि निर्माता, निर्देशक और फिल्मी सितारे मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए यथासंभव धनराशि जुटाने के लिए साथ मिलकर कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एकत्रित राशि एक दिन के भीतर पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कर दी जाएगी। ईस्टर्न इंडिया मोशन पिक्चर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता ने बताया कि लगभग 20 लाख रुपये पहले ही जुटाए जा चुके हैं। चटर्जी ने कहा कि यह पहल मंगलवार दोपहर से ही शुरू हुई है, इसलिए हमें उम्मीद है कि कुल संग्रह में और वृद्धि होगी। मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोग तनावपूर्ण जीवन जीते हैं और अक्सर उन्हें कार्यक्रमों के लिए पूर्व प्रतिबद्धताओं का पालन करना पड़ता है, जिसे वे रद्द नहीं कर सकते क्योंकि वे लाखों लोगों का मनोरंजन करते हैं।

'जिनी' फिल्म के गाने 'अब्दी अब्दी' ने मचाई धूम

मुंबई/एजेन्सी

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म 'जीनी' का बहुप्रतीक्षित गाना 'अब्दी अब्दी' आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विज़ुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं। उन्होंने वाकई हमारे साथ मिलकर काम किया और पूरी प्रक्रिया को एक बेहद खूबसूरत अनुभव बना दिया। चूँकि मैं और कल्याणी, दोनों ही पहले एक बेली डांस टीचर से ट्रेनिंग ले चुकी थीं, इसलिए यह ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा। बस एक चीज़ थोड़ी मुश्किल थी, वो ये कि जब हमें रेत से भरे डांस फ्लोर पर शूट करना पड़ा, वहाँ घुमाव करना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे हमने उसे भी संभाल लिया। कृति शेट्टी के लिए, 'अब्दी अब्दी' उनके करियर में एक अहम मुकाम साबित हो रहा है। अब तक अपनी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' वाली छवि से पहचानी जाने वाली कृति ने इस गाने में एक आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और सेंसुअल अंदाज़ में खुद को पूरी तरह बदल दिया है जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया। इस कठोर प्रशिक्षण में न सिर्फ़ इस डांस शैली के ख़ास हिप मूवमेंट और बॉडी अंडुलेशन्स को सीखने में महारत हासिल करना शामिल था।

सरस मेला

जम्मू और कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा श्रीनगर में आयोजित 'सरस मेला 2025' के दौरान एक महिला हस्तशिल्प और सजावटी सामान बेचती हुई।

क्या 'चांदनी बार' रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू?

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'चांदनी बार' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है। लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वो ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज़ सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है। निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि 'चांदनी बार 2' एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तब्बू वाकई इस

किरदार को दोबारा निभाएंगी या नहीं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि 'चांदनी बार 2' के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं। सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। बातचीत जारी है, लेकिन अभिनेत्री की आधिकारिक कास्टिंग की पुष्टि अभी बाकी है। 'चांदनी बार 2' का निर्माण संदीप सिंह अपने बैनर लेजेंड स्टूडियोज़ के तहत कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर अजय बहल संभाल रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस सीक्वल में एक नई नायिका को भी पेश किया जाएगा।

इस चुनौतीपूर्ण और गहन किरदार के लिए कई युवा अभिनेत्रियों के नाम चर्चा में हैं, जिनमें अनन्या पांडे, शरवरी वाघ और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस नए मुख्य किरदार की कास्टिंग जल्द ही अंतिम रूप ले लेगी, जो मुंबई के डांस बार्स की ज़िंदगी और सामाजिक यथार्थ को एक नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाएगी।

'मिर्जापुर' में अपने किरदार को लेकर श्वेता त्रिपाठी ने कहा- मेरे पुराने दोस्त की तरह है 'गोलू'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में 'मिर्जापुर' फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी 'गोलू' गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता ने कहा, ''गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है।'' श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म 'मसान' से लेकर 'मिर्जापुर' सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, ''अब जब मैं इस शहर में 'मिर्जापुर' की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है।'' अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, ''गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।'' बता दें कि 'मिर्जापुर' भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद 'कालीन' त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंग्शा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं। मिर्जापुर की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हुई है।

एक अभिनेता का पुनर्जन्म: अब हिट फिल्मों के साथ आशीर्वाद गिन रहे हैं बॉबी देओल

नई दिल्ली/भाषा

'बरसात' फिल्म से करियर की शुरुआत करने वाले बॉबी देओल को फिल्म उद्योग में 30 साल पूरे हो चुके हैं। उनका करियर उतार-चढ़ाव वाला रहा है, जिसमें ऐसी ऊंचाईयां और गिरावटें आईं जिन पर अपने आप में एक फिल्म की पटकथा लिखी जा सकती है।

अब ऐसा लगता है जैसे एक अभिनेता का पुनर्जन्म हुआ है, उन्हें नए प्रशंसक वर्ग का प्यार मिल रहा है और अब वह हर तरह के जटिल किरदार निभा रहे हैं।

'बरसात' फिल्म छह अक्टूबर 1995 को रिलीज हुई थी, जिसमें बॉबी देओल को ट्विंकल खन्ना के साथ परदे पर देखा गया था। यह ट्विंकल की भी पहली फिल्म थी। उस समय बॉबी को धर्मेंद्र के बेटे के रूप में जाना जाता था लेकिन आज उसी धर्मेंद्र के बेटे ने खुद को एक 'चॉकलेट बॉक्स हीरो' से चरित्र अभिनेता के रूप में विकसित किया है। वह 'एनिमल' में एक क्रूर खलनायक, आश्रम' सीरीज में एक संदिग्ध संत और 'द बैड्स औफ बॉलीवुड' में एक जटिल 'सुपरस्टार' की भूमिकाओं से प्रशंसकों की वाहवाही लूट रहे हैं।

अभिनेता अपने उस बुरे दौर के बारे में खुलकर बात करते हैं, जब उनके पास काम नहीं था और वह जीवन के एक 'भयानक मुकाम' पर थे। अब वह बहुत खुश हैं। उन्होंने जनता के बीच अपनी पहचान फिर से बनाई है। वह इसके लिए विशेषकर अपने पिता धर्मेंद्र के लगातार समर्थन और प्रशंसकों के असीम प्रेम को श्रेय देते हैं।

'पीटीआई-भाषा' को 'ज़ूम' के माध्यम से दिए एक साक्षात्कार में 56 वर्षीय अभिनेता ने कहा, प्रशंसकों ने मुझे जो प्यार दिया है, वह मुझे अतुलनीय ऊर्जा देता है... मुझसे मिले बिना या बात किए बिना। यह वास्तव में ऐसी चीज है जिसे कोई तब तक नहीं समझ पाएगा जब तक आप अपने बुरे दौर से गुजरकर वापस नहीं आते। यह वो समर्थन है जो लोगों के प्यार के माध्यम से मुझे मिलता है।

बॉबी देओल ने अपनी युवावस्था का जिक्र करते हुए कहा, उस दौरान मुझे अपनी

यात्रा की पूरी प्रक्रिया से गुजरना था। मुझे अपनी गलतियों से सीखना था।

'बरसात' ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया और उसके बाद 'गुप्त, सोल्जर, बिच्छू' और 'अजनबी' जैसी उनकी कई हिट फिल्में आईं लेकिन फिर लगातार फ्लॉप फिल्मों का दौर शुरू हो गया। उन्होंने कहा, क्या आपने कभी अपने जीवन में महसूस किया है कि आपने सब कुछ खो दिया है और कोई नहीं है जो आपकी मदद कर सके? मुझे लगता है कि हर कोई उस एक पल से गुजरता है... मैं भी ठीक उसी से गुजरा। मुझे लगता है कि वह मेरे जीवन का एक भयानक मुकाम था।

अभिनेता ने स्वीकार किया कि सब कुछ बहुत दूर, बहुत अलग लग रहा था और इसके लिए उन्होंने खुद को ही दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, इस तरह हार मान लेना पूरी तरह से मेरा अपना किया-धरा था। एक बार जब आपको यह एहसास हो जाता है कि कोई भी आपका हाथ पकड़कर आगे नहीं बढ़ा सकता, उस समय आप अपने पैरों पर खुद खड़े होते हैं। ऐसे ही मैंने अपने जीवन में चीजों को बदलने का फैसला किया। उन्होंने कहा, कभी-कभी लोग उन पलों से नहीं सीखते हैं और मुझे लगता है कि यही एक कारण है कि मैं आज यहां हूं और अपने 30 साल की बात कर रहा हूं। बॉबी ने कहा कि अभिनय हमेशा से उनका सच्चा जुनून रहा है। उन्होंने बताया, तब मेरी कोई योजना नहीं थी। मैं बस एक अभिनेता बनना चाहता था। मैं फिल्में देखते हुए, परदे पर अपने पिता को देखते हुए बड़ा हुआ और कहीं न कहीं वह जादू मेरे भीतर समा गया। मेरे पिता ने हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्में दी हैं और संख्या से परे, वह मेरे सबसे बड़े समर्थक रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 09-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों के गुणगान से हमारी आत्मा पवित्र और निर्मल होती है।

दस दिवसीय 'सम्यक दर्शन कार्यशाला' आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वी संयमलता जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को सम्पन्न हुई। तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु के जीवन पर आधारित इस कार्यशाला में 300 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु ने जो कहा, वो आर्ष वाणी बन गया, जो लिखा वह शास्त्र बन गया और जो देखा वह पंथ बन गया। उनके जीवन का प्रत्येक पृष्ठ सत्यग्राहिता, सहिष्णुता, उदारता और समताभाव से ओतप्रोत था। साध्वी श्री मार्दवश्री जी ने आचार्य भिक्षु ग्रंथ के बारे में बताते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु के विचार धर्मक्रांति के प्रेरक हैं।

उनकी दृष्टि में निश्चय और व्यवहार दोनों का समन्वय है। बुद्धि की प्रखरता और अनुभव की सघनता उनके जीवन में स्पष्ट दिखाई देती है। एक आचार्य, एक आचार और एक विचार के सिद्धांत पर आधारित उनका जीवन आज भी तेरापंथ धर्मसंघ को अनुकरणीय बनाता है।

कार्यशाला में विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देने वालों को मनोहरलाल राकेश बाबेल परिवार ने पुरस्कार दिया। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यशाला संयोजक एवं परिषद उपाध्यक्ष पवन बैद ने परीक्षा से संबंधित जानकारी दी।

कुमारा पार्क संघ में नवपद ओली आराधना सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, गणिवर्य गुणहंसविजयजी, साध्वी संस्कारनिधिजी की निश्रा में चल रही नवपद ओली आराधना का समापन हुआ। इस आराधना में 182 आराधकों ने भाग लिया। संपूर्ण ओली एवं पारणा के मुख्य लाभार्थी पंकुबाई कपूरचंद भिरलोशा वोरा परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रकाश राठोड़ ने लाभार्थी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने नवपद आराधना में मुनिसुव्रत महिला मंडल के परिश्रम एवं व्यवस्था सहयोग को सराहा। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष विमल भंडारी, कोषाध्यक्ष अशोक पोरवाल, हरीश सोलंकी, राजू साकरिया, राकेश सोलंकी और श्रेणीककुमार जैन आदि उपस्थित थे।

जिनशासन की प्रभावना के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि जिनशासन की प्रभावना के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी है। संकल्प के रास्ते में परिषह भी आते हैं और परीक्षा भी होती है। साध्वी रिद्धिप्रभाजी ने कहा कि भौतिक बल से भी ज्यादा आत्मिक बल और आध्यात्मिक बल का महत्व होता है। संसार के रिश्ते नातों का बल विश्वसनीय नहीं होता है। जब भी दुख का प्रसंग या चीख निकलती है तो सबसे पहले मुंह से भगवान का नाम निकलता है क्योंकि वही सत्य और सार्थक होता है।

संसार के 84 के चक्कर तोड़ने में भी आध्यात्मिक बल ही सक्षम होता है। साध्वियों के सान्निध्य में दो दिवसीय महिला शिविर आयोजित हुआ जिसमें शामिल 80 महिलाओं ने ज्ञानार्जन के अलावा व्यवहार, धर्म, लोगस साधना, ध्यान साधना के बारे में जाना।

सभा का संचालन करते हुए मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि संघ के 22 तपस्वियों ने इस बार आयम्बिल ओली तप पूर्ण किया। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

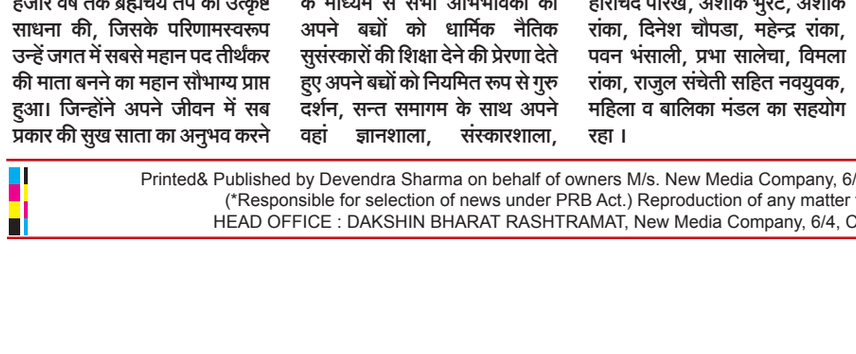

ब्रह्मचर्य तप की महिमा अपरम्पार है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने ब्रह्मचर्य तप की महिमा अपरम्पार बताते हुए कहा कि भगवान महावीर ने सभी तपों में ब्रह्मचर्य तप को श्रेष्ठ बतलाया है। जो ब्रह्मचर्य तप साधना की उत्कृष्ट आराधना करते हैं उनके चरणों में देवता भी वंदन नमस्कार करते हैं। ब्रह्मचर्य साधक की महिमा दोनों लोक में गाई जाती है। काम-वासना पर विजय पाना साधक की सबसे बड़ी उपलब्धि है, इसलिए कहा गया है कि कामविजेता, जगतोविजेता अर्थात काम पर विजय पाने वाला जगत विजयी है। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की माता मरुदेवी ने अपने पूर्व भव में अस्सी हजार वर्ष तक ब्रह्मचर्य तप की उत्कृष्ट साधना की, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें जगत में सबसे महान पद तीर्थंकर की माता बनने का महान सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिन्होंने अपने जीवन में सब प्रकार की सुख साता का अनुभव करने के साथ सभी सुयोग, यश, कीर्ति की अनुपम प्राप्ति की। सती अंजना ने बारह वर्ष तक ब्रह्मचर्य तप का पालन किया तो उसका प्रभाव यह हुआ कि उनके यहां हनुमान जैसे महाबलशाली का जन्म हुआ। संतश्री ने आज की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए कहा कि आधुनिकता की चकाचौंध से दूर रहें। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को सदा अपने जीवन में अपनाएं तथा अपने संस्कारों से दूर नहीं हों।

टीवी, मोबाइल, इन्टरनेट, सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करना चाहिए। ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे आपके साथ आपके परिवार का, संघ समाज पर कोई दाग लगे या अपयश फैले। ङ्कशालिभद्रमुनिजी ने एक प्रेरक भजन के माध्यम से सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को धार्मिक नैतिक सुसंस्कारों की शिक्षा देने की प्रेरणा देते हुए अपने बच्चों को नियमित रूप से गुरु दर्शन, सन्त समागम के साथ अपने वहां ज्ञानशाला, संस्कारशाला, धार्मिक शिविरों आदि में भेजने पर जोर दिया। प्रारंभ में साध्वीश्री सुप्रभाजी ने आगार और अणगार धर्म की व्याख्या करते हुए जीवन में नैतिक अनुशासन के साथ सदाचार युक्त संयमित जीवन जीने की प्रेरणा दी। महामंत्री महावीर चंद मेहता ने बताया कि चातुर्मास समिति एवं ईटा संघ की सहभागिता में नवपद आयम्बिल ओली आराधना की पूर्णाहुति हुई। इस मौके पर नवपद आयम्बिल ओली आराधना साधना सह पारणे के आयोजन में लाभार्थी बाबूलाल अशोककुमार रांका परिवार को धन्यवाद दिया गया। आराधना आयोजन में ईटा संघ के खीमराज,बाबूलाल रायगांधी, पृथ्वीराज मेहता, नितेश बालडा, गणपत कवाड़, समिति के महावीरचंद मेहता, महावीरचन्द धारीवाल, हीराचंद पारख, अशोक भुरट, अशोक रांका, दिनेश चौपडा, महेन्द्र रांका, पवन भंसाली, प्रभा सालेचा, विमला रांका, राजुल संचेती सहित नवयुवक, महिला व बालिका मंडल का सहयोग रहा ।

अपने दोषों का परिमार्जन करने वाला ही सच्चा साधक : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य अपने ज्ञान के अभाव में अक्सर अपने आत्मिक गुणों मैत्री, दया, करुणा और क्षमा की उपेक्षा करता है। वह राग-द्वेष और विषय-कषायों में उलझकर दूसरों की निंदा, आलोचना और दोष-दर्शन में समय व्यतीत करता रहता है। परिणामस्वरूप वह अपने ही निर्मित संसार-बंधन के जाल में फँसकर भव-भ्रमण के चक्र में डूबा रहता है। यदि मनुष्य थोड़ी देर भी आत्मचिंतन करे, तो उसे ज्ञात होगा कि सच्ची प्रसन्नता बाह्य सुखों में नहीं, बल्कि आत्म-संयम, सह-अनुभूति और सत्व की शुद्धि में निहित है। दूसरों के दोष देखने के बजाय हमें अपने चित्त की निर्मलता और आत्म-सुधार पर ध्यान देना चाहिए। जो व्यक्ति अपने भीतर झाँककर अपने दोषों का परिमार्जन करता है, वही सच्चा साधक कहलाता है।सभा में माँ सरस्वती का जाप करवाया गया। साध्वीवृन्द ने उपस्थित आराधकों से मूल मंत्र एवं शारदा स्तोत्र का सस्वर पाठ करवाया।ङ्कसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जब मनुष्य शब्द, विचार और कर्म की पवित्रता को अपनाता है, तब उसके जीवन में देवी सरस्वती का वास होता है। ज्ञान का आलोक अज्ञान के अंधकार को मिटा देता है, और वही जीवन का वास्तविक दीपोत्सव है। नवपद आयंबिल आराधकों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि आयंबिल जैसी आराधनाएँ आत्मा को शुद्ध करती हैं, इंद्रियों को संयमित करती हैं और अभ्युदय व नि:श्रेयस की प्राप्ति का माध्यम बनती हैं। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचन्द भंसाली ने आभार व्यक्त किया। संचालन संघ के मंत्री सज्जन बोहरा ने किया।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ धाम में नई धर्मशाला का शिलान्यास संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के समीप जाजूर स्थित दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में संघ समाज के सहयोग से जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा छह मंजिला वातानुकूलित धर्मशाला का निर्माण करवाया जाएगा जिसका रविवार को शिलान्यास सम्पन्न हुआ। कुंभ व दीपक स्थापना ज्वारारोपण,शिलाओं का वरघोड़ा, नवग्रह पूजन, दसदिकपाल पूजन, अष्टमंगल पूजन, शिलाओं का अभिषेक आदि विधि विधान बाबूमल हरण ने संपन्न कराया। धर्मशाला शिलान्यास के मुख्य लाभार्थी मानदेवी, संगीता धीरज बच्छावत परिवार ने मुख्य कुर्म शिला का पूजन एवं शिलान्यास किया। इसके अलावा अन्य लाभार्थियों ने अन्य शिलाओं की पूजा कर शिलान्यास किया। जय जिनेन्द्र का लाभ तिलोकचंद माणिकचंद शाह, संपूर्ण नवकारसी का लाभ अशोककुमार ललितकुमार अंबा चौहान परिवार व प्रथम पाँच ईंटरोपण का लाभ वसंतराज अविनाश रांका परिवार ने लिया। तीर्थ के संस्थापक अध्यक्ष अशोककुमार सुराना एवं जैन दोस्ती फेडरेशन के पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर तीर्थ के दुर्लभचंद खांटेड़, पारसमल वेदमुथा, रमेश कटारिया, दक्षिण शांतिसूरि धाम के चेयरमैन ताराचंद राठौड़, अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा, महासचिव विजयकुमार सुराना, उपाध्यक्ष विनोद मुणोत आदि अनेक सदसस्य उपस्थित थे। जैन दोस्ती फेडरेशन की ओर से सभी लाभार्थियों को धन्यवाद दिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी दर्शन

बेंगलूरु के शंकरपुरम में श्रृंगेरी शंकर मठ में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने कहा कि हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। शक्ति की पूजा शांति के लिए की जाती है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

महिलाओं में अवसाद का खतरा पुरुषों की तुलना में दोगुना : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अवसाद का खतरा दोगुना होता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई।'नेचर कम्युनिकेशंस' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद संबंधित जोखिम में आनुवंशिक कारक अधिक भूमिका निभाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के क्यूआईएमआर बर्गहॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ शोधकर्ता और अध्ययन की लेखिका ब्रिटनी मिशेल ने कहा, हम जानते हैं कि महिलाओं में अपने जीवनकाल में अवसाद से पीड़ित होने की संभावना पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। मिशेल ने कहा, अब तक, यह समझाने के लिए कोई सुसंगत शोध नहीं हुआ है कि अवसाद महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग तरीके से क्यों प्रभावित करता है। टीम ने कहा कि इस अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के अवसादग्रस्त लगभग 1,30,000 महिलाओं और 65,000 पुरुषों के आनुवंशिक जानकारियों की जांच की गई है।

अध्ययन में लगभग 1,60,000 महिलाओं और 1,30,000 से अधिक अवसाद-मुक्त पुरुषों के आंकड़ों का भी विश्लेषण किया गया। अध्ययन करने वाले दल ने कहा कि इस अध्ययन के परिणामों ने इस बात के अनुवांशिक प्रमाण उपलब्ध कराये हैं कि कैस पुरुष एवं महिलाओं में अवसाद अलग अलग तरह से मौजूद रहता है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि अध्ययन में पाए गए जिन डीएनए बदलाव की पहचान की गई है वे लोगों के जन्म के साथ पाए गए अनुवांश बदलाव हैं और वे जीवन के अनुभवों के कारण नहीं होते हैं।

ज्ञान से होती है विवेक की प्राप्ति : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों के गुणगान से हमारी आत्मा पवित्र और निर्मल होती है। जब हम महापुरुषों की महिमा का गुणगान करते हैं, तो हमारी आत्मा में शुभ भावनाओं का संचार होता है। परमात्मा और महापुरुषों का स्मरण एवं उनके गुणों का बखान आत्मा को शुद्ध करता है। उन्होंने कहा कि महान संतों की संगति और उनके गुण हमारे जीवन का आधार बनते हैं। इन गुणों को अपनाकर हम अपने भीतर की मलिनता, बुराइयों और दोषों को त्याग सकते हैं और महान संतों की परंपरा में बंधकर जीवन के सच्चे और शुद्ध मार्ग पर चल सकते हैं। वरुणमुनिजी ने ज्ञान को आत्मा का तीसरा नेत्र बताया, जिसके माध्यम से हम सही और गलत का भान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसार के भौतिक और आध्यात्मिक तत्वों की वास्तविक प्रकृति को समझने में ज्ञान से श्रेष्ठ कोई साधन नहीं हो सकता। भगवान महावीर ने भी कहा है कि पहले ज्ञान प्राप्त करो और फिर दयालुता एवं विवेक से व्यवहार करो। ज्ञान आत्मा का दर्पण है, जो मन के सभी विकारों को नष्ट कर इसे शुद्ध, पवित्र और निर्मल बनाता है। वरुणमुनिजी ने कहा कि ज्ञान के बिना यह समझ पाना असंभव है कि कौन-सी वस्तु अमृत है और कौन-सी विष। सही ज्ञान के माध्यम से ही हम अमृत और विष में अंतर पहचान सकते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि इस संसार में ज्ञान से पवित्र कुछ नहीं है। ज्ञान ही मानव जीवन का सार है। आत्मा का सच्चा ज्ञान जन्म-मरण के दुख को समाप्त कर सकता है, अतः प्रत्येक साधक को स्वयं ज्ञान प्राप्ति का प्रयास करना चाहिए, तभी यह अमूल्य मानव जीवन सार्थक बन सकता है। सभा की शुरूआत में रूपेश मुनि जी ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। राष्ट्रसंतश्री पंकज मुनि जी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया।

केएमएस महिला मंडल ने मनाया करवा चौथ उत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक मारवाड़ी समाज (केएमएस) महिला मंडल ने जेपी नगर स्थित एक होटल में करवा चौथ उत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने डांस प्रतियोगिता, रैंप वॉक, मेहंदी तथा करवा चौथ विशेष तंबोला में भाग लिया। महिला मंडल की अध्यक्षा सुषमा चाँदगोठिया ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि करवा चौथ जैसे आयोजन से पारंपरिकता को जीवित रखते हैं साथ ही मारवाड़ी महिलाओं को एक सूत्र में पिरोने में कारगर सिद्ध होते हैं।

उपाध्यक्ष वंदना तुलस्यान, सचिव निशा अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष नेहा बरौलिया ने संयोजन किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कान्ता बांका, नीलम अग्रवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अनेक कार्यकारिणी सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

आरआर नगर तेरापंथ भवन में शरद पूर्णिमा पर महाशक्ति जप अनुष्ठान सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में साध्वी पुण्ययशाजी एवं उनकी सहवर्तिनी साध्वी विनीतयशाजी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी के सान्निध्य में तथा श्रावक जितेन्द्र घोषल व विक्रम दुगड़ के निर्देशन में मंगलवार को शरद पूर्णिमा के मौके पर 'गणी सोहई भिक्खुमज्झे' महाशक्ति अनुष्ठान किया गया, जिसमें विभिन्न मुद्राओं, बीजाक्षरों, स्वर विज्ञान एवं रंगों के साथ विभिन्न मंत्रों का लयबद्ध उच्चारण किया गया। साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि मंत्र में असीमित शक्ति होती है। बीजाक्षर मंत्र लघुकाय होते हुए भी अध्यात्म शक्ति के अक्षय स्रोत होते हैं।

यही कारण है कि किसी मंत्र के साथ बीजाक्षर जोड़ने से उसमें अद्भुत शक्ति पैदा हो जाती है। ध्वनि और मुद्रा पूर्वक किया गया आह्वान दिव्य शक्तियों के साथ संपर्क स्थापित करने का माध्यम बनता है। एकाग्रता मंत्र साधना का प्राण है। सभी 200 समागतों को श्री व नवकार मंत्र अंकित रजतपत्र दिया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया तथा जितेन्द्र घोषल व विक्रम दुगड़ का सम्मान किया गया । कन्यामंडल सहित सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया, सुशील भंसाली(छापर), सुशील भंसाली, प्रकाश बोहरा आदि ने व्यवस्था संभाली।

पगारिया भाईपा परिवार द्वारा यात्रा संघ के लाभार्थियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु के पगारिया भाईपा परिवार कर्नाटक की ओर से कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी आदि तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया। समापन के मौके पर यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी मैसूरु के सुमतिलाल सिद्धार्थकुमार पगारिया, सहलाभार्थी रंगलाल, महावीरकुमार पगारिया, खीमराज, दिनेशकुमार पगारिया एवं नथमल धर्मीचंद पगारिया सहित अन्य लाभार्थियों का सम्मान किया गया ।ङ्कअंत में महामंत्री अरविंद कोठारी ने सभी यात्रियों एवं लाभार्थियों को धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com